राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश ■ राजस्थान ■ हरियाणा ■ छत्तीसगढ़ ■ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17

5 महिला टी-20 में भारत का बांग्लादेश पर जीत का चौका | सम्पादकीय भ्रष्टाचार के तहखाने में नोटों की गड्डी | अडाणी ग्रीन एनर्जी श्रीलंका में दो विंड पावर स्टेशन 5

वर्ष 18 ● अंक 82 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | भोपाल, बुधवार 08 मई 2024 | email - hindustanexpressbhopal@Gmail.com, hindustanexpresshe@Gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

11 राज्यों की 93 लोकसभा सीटों पर हुआ मतदान

महाराष्ट्र में सबसे कम वोटिंग, बिहार-छत्तीसगढ़ में 3 की मौत

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। 10 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की 93 लोकसभा सीटों पर मंगलवार सुबह 7 बजे से जारी वोटिंग शाम छह बजे खत्म हो गई है।

चुनाव आयोग के मुताबिक, शाम पांच बजे तक 63.77 प्रतिशत वोटिंग हुई। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 73.93 प्रतिशत और सबसे कम महाराष्ट्र में 53.40 प्रतिशत वोटिंग हुई। दोपहर तीन बजे तक 53.60 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 63.11 प्रतिशत वोटिंग हुई और सबसे कम महाराष्ट्र में 42.63 प्रतिशत लोगों ने वोट डाले थे। बिहार में वोटिंग के दौरान पीठासीन अधिकारी और होमगार्ड जवान की मौत हो गई है। छत्तीसगढ़ के जशपुर में मतदान करने पहुंचे एक

बुजुर्ग वोटर की मौत हो गई। वहीं, पश्चिम बंगाल में मुर्शिदाबाद के भाजपा कैंडिडेट और टीएमसी समर्थक के बीच झड़प हुई है। यूपी के संभल में पुलिस ने लोगों पर लाठीचार्ज किया। इसमें कुछ लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहमदाबाद स्थित निशान हायर सेकेंडरी स्कूल में वोट डाला। उनके साथ गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। पीएम मोदी कार से उतरने के बाद अमित शाह के साथ पैदल ही लोगों का अभिवादन करते हुए बूथ तक पहुंचे और मतदान किया।

हमें 400 सीटें चाहिए ताकि मैं कांग्रेस-इंडी की हर साजिश को रोक सकूं : पीएम मोदी

आर.एन.एस.

खरगौन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर कांग्रेस पर धर्म के नाम पर आरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कर्नाटक का उदाहरण देकर कांग्रेस और इंडी अलायंस को घेरा। मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर की पीठ में छुरा घोंपा है। संविधान की पीठ में छुरा घोंपा है। मोदी ने कांग्रेस के सारे वादों इरादों की पोल खोल दी है।

पीएम मोदी ने मंगलवार को खरगोन और धार में चुनावी सभाएं की। उन्होंने कहा कि मुझे 400 सीटें चाहिए ताकि मैं कांग्रेस और इंडी गठबंधन की हर साजिश को रोक सकूं। उन्होंने कहा कि जब तक मोदी जिंदा है। नकली सेक्युलरिज्म के नाम पर भारत की पहचान मिटाने की कोई भी कोशिश मोदी सफल नहीं होने देगा। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना

साधते हुए कहा कि कांग्रेस का पाकिस्तान प्यार चरम पर पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वाले अपनी अपनी विरासत बचाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। इंडी वालों की एक फेवरेट कहावत है। आपना काम बनता... भाड़ में जाए जनता...

इस लोकसभा चुनाव में एक महीने के अंदर एमपी का ये 7वां दौरा है। वे एमपी में अब तक 8 जनसभा और 2 रोड शो कर चुके हैं।

मैंने कांग्रेस के दिमाग का एक्सरे किया है

पीएम मोदी ने कहा- शहजादे तो ऐसी चीज लेकर आए हैं कि दुनिया में ऐसा कोई सोच ही नहीं सकता। वो कहते हैं आपकी संपत्ति का एक्सरे करेंगे। मैंने कांग्रेस का सबका एक्सरे करके रखा है। उनके दिमाग का एक्सरे किया है।

विशेष संपादकीय

शोपीस नहीं हैं भारत के परमाणु बम

चन्द्रप्रकाश शिवहरे

प्रधान संपादक

कश्मीर की नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता फारुख अब्दुल्ला ने गत दिवस एक बयान में कहा था कि पाकिस्तान परमाणु सम्पन्न देश है और उसके पास परमाणु बम हैं। पाक के यह बम भारत के ऊपर ही गिरेंगे। निःसंदेह फारुख अब्दुल्ला का यह बयान पाकिस्तान को बढ़ावा देने व भारत को कमतर आंकने की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। फारुख अब्दुल्ला आये दिन अपने बयानों के माध्यम से पाकिस्तान की तारीफ करते रहते हैं। भारत में रहकर पाकिस्तान की तारीफ करना, भारत को हमेशा नीचा दिखाने का कार्य करना इनकी फितरत है। जब उन्होंने यह बयान दिया तब वे भूल गए कि भारत 1974 में परमाणु सम्पन्न देश बन चुका था, जबकि पाकिस्तान 1998 में परमाणु सम्पन्न देश बना है। यदि पाकिस्तान के पास परमाणु शक्ति है तो भारत भी परमाणु शक्ति के मामले में पाकिस्तान से कम नहीं है। भारत ने जो परमाणु बम बनाए हैं उनका उपयोग भी पाक के विरुद्ध हो सकता है। लेकिन भारत इस बात को लेकर वचनबद्ध है कि वह किसी भी देश पर सर्वप्रथम परमाणु हमला नहीं करेगा। लेकिन उसके ऊपर परमाणु हमला हुआ तो भारत पीछे भी नहीं रहेगा। फारुख अब्दुल्ला को मैं यह बताना चाहता हूँ कि भारत ने जो परमाणु बम बनाए हैं वे किसी विवाह समारोह के लिए नहीं बनाए गए हैं। इसके अलावा भारत के पास वो सामरिक ताकत है कि पाकिस्तान उसके सामने कहीं नहीं टिकता। भारत की वायुसेना विश्व की अच्छी हवाई सेना में शुमार होती है। भारत की वायुसेना के पास राफेल जैसे आधुनिक विमान हैं जो किसी भी राडार को आसानी से चकमा दे सकते हैं। इसके साथ ही भारत की जल सेना किसी भी मायने में कम नहीं है। हमारी सेना ने अनेक बार चीन जैसी ताकत को चुनौती दी है। तो पाकिस्तान की बिसात ही क्या है। जहाँ तक थल सेना का प्रश्न है तो थल सेना के सामने पाक की थल सेना कहीं नहीं टिकती। इस बात का सबूत भारतीय थल सेना पाक से हुए युद्धों में कई बार दे चुकी है। 1971 में बांग्लादेश के निर्माण के समय पाकिस्तान के 90 हजार सैनिकों का आत्मसमर्पण इतिहास में दर्ज है। लगता है फारुख अब्दुल्ला इन सभी बातों को या तो अनदेखा कर रहे हैं, या भूल चुके हैं या फिर जान बूझकर अनजान बनने का नाटक कर रहे हैं। वैसे भी पाकिस्तान की हालत वर्तमान में भिखारियों जैसी हो गई है। उसे कोई भी देश आर्थिक मदद देने को तैयार नहीं है। यहां तक कि उसका रहनुमा चीन भी अब उससे कन्नी काटने लगा है। पाकिस्तान के सियासतदान हाथ में भीख का कटोरा लेकर अनेक देशों का दौरा कर चुके हैं, लेकिन सहायता रूपी भीख नहीं मिल रही है। इतना सबकुछ होने के बाद भी फारुख अब्दुल्ला अभी भी पाकिस्तान की रहनुमाई कर रहे हैं, यह समझ से परे है।

ग्वालियर। विधानसभा स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर सपत्नीक, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल और जिलाध्यक्ष भाजपा अभय चौधरी वोट डालने के बाद प्रसन्न मुद्रा में ।

ग्वालियर। केन्द्रीय मंत्री एवं गुना शिवपुरी से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने मताधिकार का उपयोग एएमआई शिशु मंदिर पर किया।

गाजा : राफा में टैंक लेकर घुसे इजराइली सैनिक

गाजा सिटी। हमास के सीजफायर समझौते स्वीकार करने के बाद मंगलवार को इजराइल की सेना टैंक लेकर दक्षिणी गाजा के राफा इलाके में घुस गई। उसने मिस्र से सटी गाजा की सीमा पर कब्जा कर लिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक इजराइल ने दावा किया है कि इस ऑपरेशन के दौरान उन्होंने 20 हमास लड़ाकों को मार गिराया। सैनिकों को इलाके में हमास की 3 सुरंगें मिली हैं। हमास के साथ जंग में राफा इजराइली सेना के ऑपरेशन का आखिरी पड़ाव है। इजराइल ने इंटेलिजेंस के हवाले से दावा किया था ।

शांतिपूर्ण मतदान के लिए केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने जताया मतदाताओं का आभार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

ग्वालियर। लोकसभा चुनाव के लिए तीसरे चरण का मतदान मंगलवार को संपन्न हो गया। ग्वालियर-चंबल अंचल सहित प्रदेश की आठ सीटों पर वोट डाले गए। प्रदेश में मतदान शांतिपूर्ण रहा।

गुना-शिवपुरी संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी एवं केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुना, अशोकनगर, मुंगावली, शिवपुरी सहित पूरे क्षेत्र में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने पर जिला एवं पुलिस प्रशासन को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने अपने मतदाताओं द्वारा तपती

दोपहरी में लोकतंत्र के उत्सव में उत्साह के साथ भागीदारी निभाने पर उनका हृदय से आभार जताया। उन्हांने कहा कि यह चुनाव विश्वास और विकास का था, मुझे उम्मीद ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि मेरे लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं ने निश्चित तौर पर इन दोनों पर भरोसा जताते हुए लोकतांतित्रक परंपराओं की मर्यादा को बनाए रख अपने मताधिकार का उपयोग किया होगा। लोकतंत्र के उत्सव में बिना किसी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण तरीके से निभाई गई उनकी इस भागीदारी के लिए उनका आभारी हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के हर वर्ग और हर क्षेत्र के विकास पर ध्यान दिया है : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार, रतलाम, उज्जैन लोकसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं को संबोधित किया। इस दौरान बड़नगर में रोड शो में शामिल होकर जनता का अभिवादन किया

धार/ रतलाम/उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती सावित्री ठाकुर के समर्थन में धार, रतलाम लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्रीमती अनिता नागर सिंह चौहान के समर्थन में सैलाना विधानसभा के सरवन व रतलाम ग्रामीण विधानसभा के बांगरोद, उज्जैन लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी श्री अनिल फिरोजिया के समर्थन में बड़नगर विधानसभा में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस में एक परिवार की पांच पीढ़ियों से प्रधानमंत्री बनते रहे। परदादा, दादी, पिताजी सब प्रधानमंत्री बने, लेकिन देश से गरीबी नहीं दूर कर पाए। अब राहुल गांधी देशवासियों से कह रहे हैं कि हमारी सरकार बनाओ तो गरीबी दूर कर देंगे। ये अब गरीबी का झांसा देकर सत्ता हड़पना चाहते हैं। कांग्रेस

ने 70 साल सरकार चलाई, लेकिन टंट्या मामा को सम्मान भाजपा ने दिया, उनके नाम से विश्वविद्यालय खोला। मुख्यमंत्री हो, मंत्री हो, संत्री हो, सबके लिए कानून बराबर है, गड़बड़ी करने वाले कोई नहीं बचेंगे। आज आधे जेल में हैं और आधे भ्रष्टाचारी जमानत पर बाहर हैं। यह चुनाव दो ऐसे नेताओं के बीच में हैं, एक ने गरीबी देखी, कष्ट उठाए, दूसरे ने चांदी के चम्मच में खाया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने देश के हर वर्ग और हर क्षेत्र के विकास पर ध्यान दिया है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़नगर में आयोजित हुए रोड शो में भी सहभागिता कर जनता का अभिवादन किया।

गरीबों, आदिवासियों से झूठ बोलकर विश्वासघात किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से झूठ बोलकर देशवासियों के साथ विश्वासघात किया। कांग्रेस ने जातिगत आधार पर आरक्षण देकर केवल वोट बैंक की राजनीति की। इन्होंने एससी, एसटी, ओबीसी के आरक्षण में से कटौती करके अल्पसंख्यकों को आरक्षण देकर देश में जातिगत आरक्षण को बढ़ावा दिया। कांग्रेस हमेशा से आदिवासियों, गरीबों के साथ विश्वासघात करती रही, उनके वोट बैंक से सरकार बनाती रही, लेकिन कभी भी किसी आदिवासी बहन, बेटियों को आगे नहीं बढ़ाया, उन्हें विधायक, सांसद का टिकट नहीं दिया। कांग्रेस तो हमेशा से अपने घिसे-घिसाए, घुटे-घुटाए नेताओं को ही आगे बढाती है। उसको भी ऊपर कोई मौका नहीं मिलता है। भाजपा ने हमेशा से सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास के आधार पर राजनीति की है। कांग्रेस ने किसी भी आदिवासी महिला को राष्ट्रपति नहीं बनाया, लेकिन यह काम भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किया है। एक आदिवासी महिला को देश का सर्वोच्च पद देकर समूचे आदिवासी समाज का मान बढ़ाया है।

अब बड़े बाप के बेटे मोदीजी को

मतदान, लोकतंत्र की आत्मा है, लोकतंत्र के प्रति निष्ठा का प्रतीक है, वोट जरूर डालें : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को अपने गृह ग्राम जैत में परिवार सहित मतदान किया। मतदान से पहले शिवराज सिंह चौहान ने नर्मदा घाट पर पहुंचकर नर्मदा मैया के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की। साथ ही जैत स्थित खेड़ापति माता मंदिर में दर्शन कर देश व प्रदेशवासियों के सुख-समृध्दि की कामना की। मतदान से पहले बहनों ने शिवराज सिंह को तिलक लगाकर उनकी आरती उतारी और सिर पर हाथ रख उन्हें जीत का आशीर्वाद दिया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने जनता से अपील करते हुए कहा कि, मतदान, लोकतंत्र की आत्मा है और लोकतंत्र के प्रति निष्ठा का प्रतीक है। इसलिए सभी भाई-बहनों, बेटा-बेटियों से अपील है कि, अपने मत का प्रयोग जरूर करें।

मैं प्रेम की लहर में सवार रहा हूं

पूर्व मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह

चौहान ने कहा कि, माताओं, बहनों का आशीर्वाद मेरे लिए देवी का आशीर्वाद है। ये चुनाव मेरे लिए अद्भुत रहा है, इस चुनाव में, मैं प्रेम की लहर में सवार रहा हूँ। मेरी बहनों का माताओं का, भांजे-भाँजियों का बुजुर्गों का प्यार, स्नेह और आशीर्वाद अद्भुत था। जहां भी मैं चुनाव प्रचार के लिए गया बहनों ने मेरी आरती उतारी और अपनी साड़ी के पल्ले से 10-5 रुपए निकाल कर मुझे चुनाव लड़ने के लिए दिए। बच्चों ने मुझे गुल्लकें भेंट की, बुजुर्गों ने मुझे भरपूर आशीर्वाद दिया। ये सब कुछ अद्भुत है और मैं अत्यंत सौभाग्यशाली हूँ कि, जिसको ऐसी बहनों का इतना प्यार और आशीर्वाद मिलता है, वरिष्ठ-बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलता है और बच्चे तो मेरे भांजे-भांजी हैं मुझसे लिपट जाते हैं अद्भुत है ये सब कुछ मैं अत्यंत सौभाग्यशाली हूँ। लोकतंत्र में जनता ही भगवान है।

हर घर में फिर एक बार संपर्क कर भाजपा को विजयी बनाने जनता का आशीर्वाद : विष्णुदत्त शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने खरगोन लोकसभा की बैठक को संबोधित किया

खरगौन। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को खरगौन में खरगौन लोकसभा की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को ऐतिहासिक बहुमत से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है, इसके लिए हमें हर बूथ को अच्छे मतों से जीतना है। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने और 2047 तक भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी कार्य कर रहे हैं। भाजपा के खरगौन लोकसभा प्रत्याशी श्री गजेन्द्र सिंह पटेल को ऐतिहासिक मतों से विजयी बनाने के लिए भाजपा कार्यकता हर मतदाता के घर जाकर

एक बार फिर संपर्क करें और मतदान करने की अपील करें। पार्टी प्रत्याशी बड़े अंतर से विजयी हों, इसके लिए कार्यकर्ता अपनी संपूर्ण ताकत चुनाव प्रचार के अंतिम चार दिनों में झोंक दें। बैठक को प्रदेश प्रवक्ता व सांसद श्री सुमेर सिंह सोलंकी ने भी संबोधित किया

भाजपा को हर बूथ पर बढ़त मिले इसके लिए कार्य करें

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति देश की जनता का अटूट विश्वास, भरोसा और स्नेह है, भाजपा 400 के लक्ष्य को प्राप्त करने जा रही है। भाजपा प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटें जीत रही है, लेकिन हमें विपक्षी दलों के उम्मीदवारों से बड़े अंतर से चुनाव जीतना है, इसके लिए हमें लोकसभा क्षेत्र के हर बूथ पर बढ़त मिले इसके लिए कार्य करना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिल्ली में सांसदों की बैठक में कहा था कि मैं विधानसभावार मॉनिटरिंग करूंगा कि कहां, कितनी बढ़त मिल रही है। हर हालत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए कार्य करना है। हर बूथ पर भाजपा को बढ़त मिले, यही हमारा लक्ष्य है। सोशल मीडिया के माध्यम से भी मतदान करने का आह्वान करें।

खरगौन लोकसभा के लिए 13 मई को मतदान होना है। चुनाव प्रचार के लिए सिर्फ चार दिन का ही समय बचा है। ऐसे में आप सभी देवतुल्य कार्यकर्ता पार्टी प्रत्याशी बनकर हर बूथ के हर मतदाता से घर-घर जाकर संपर्क करें और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते दस वर्षों में किए गए विकास, गरीब कल्याण और जनहितैषी कार्यों के साथ लाभार्थी योजनाएं जनता को बताकर भाजपा को वोट देने की अपील करें।

बंगाल में बारिश से 12 लोगों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में हो रही भारी बारिश से 12 लोगों की मौत हो गई। बिजली गिरने से पूर्व बर्धमान में 5 और पश्चिम मेदिनीपुर और पुरुलिया में 2-2 लोगों की मौत हो गई। वहीं नादिया में दीवार ढहने से 2 और साउथ 24 परगना में पेड़ गिरने से 1 शख्स की मौत हो गई।

भारी बारिश के कारण रेल और हवाई यातायात बाधित भी बाधित रहा। पूर्वी रेलवे के सियालदह डिवीजन की सियालदह-कैनिंग लाइन पर तेज हवा के चलते तारों पर पेड़ गिरने से रेल सेवाएं करीब एक घंटे तक प्रभावित रही। वहीं खराब मौसम के कारण कोलकाता की तरफ जाने वाली तीन उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा। वहीं कोलकाता से रांची जा रही फ्लाइट तेज हवाओं के चलते उड़ान नहीं भर सकी। मौसम विभाग ने 10 मई तक राज्य में इसी तरह आंधी-तूफान की आशंका जताई है।

शेखर सुमन और पूर्व कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा भाजपा में शामिल

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे फेज के चुनाव के दौरान मंगलवार को एक्टर शेखर सुमन और कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा भाजपा में शामिल हो गए। पार्टी महासचिव विनोद तावड़े और प्रवक्ता अनिल बलूनी की मौजूदगी में दोनों ने सदस्यता ली। शेखर सुमन बिहार की पटना साहिब सीट से भाजपा के सांसद रहे फिल्म अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा के खिलाफ कांग्रेस के टिकट पर 2009 में चुनाव लड़ चुके हैं। शेखर सुमन ने कहा कि मुझे कल तक नहीं पता था कि मैं क्या

करूं, भगवान का आदेश आया और मैं आज भाजपा में शामिल हो गया। वहीं राधिका खेड़ा ने एक दिन पहले ही कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दिया था। वे छत्तीसगढ़ की प्रभारी थीं। वहां स्थानीय नेताओं से विवाद के बाद उनका एक रोते हुए वीडियो सामने आया था। खेड़ा ने छत्तीसगढ़ के कांग्रेस प्रवक्ता पर दुर्व्यवहार करने और एक मीटिंग के दौरान शराब ऑफर करने का आरोप लगाया था।

स्थानीय आवश्यकता एवं बाजार की मांग अनुरूप गतिविधि का चयन करें: कलेक्टर

कलेक्टर एवं सीईओ ने वाटरशेड अंतर्गत आजीविका गतिविधियों की कार्ययोजना निर्माण का जायजा लिया

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। वाटरशेड परियोजना अंतर्गत स्व सहायता समूहों द्वारा आजीविका गतिविधियों के चिन्हांकन हेतु ग्राम देवरा में आयोजित कार्ययोजना निर्माण बैठक में कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने उपस्थित होकर समूह सदस्यों से चर्चा कर उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा एवं सहायक कलेक्टर महिपाल सिंह गुर्जर, वाटरशेड के जिला परियोजना अधिकारी राजेन्द्र कोसरिया, एलडीएम अजीत नाम्बियार, सहायक संचालक मत्स्य सलिल सोंधिया, सहायक संचालक उद्यान सुभाष श्रीवास्तव, डीपीएम आजीविका मिशन शशांक प्रताप सिंह, एसडीओ

कृषि विकास मेश्राम एवं प्रदान संस्था से विशाल राय एवं ग्राम पंचायत के सरपंच व वाटरशेड व आजीविका मिशन का मैदानी अमला उपस्थित रहा। आजीविका गतिविधियों के चिन्हांकन एवं क्रियान्वयन हेतु स्व सहायता समूहों को मार्गदर्शन प्रदान किये जाने हेतु कलेक्टर आशीष वशिष्ठ द्वारा विभिन्न विभागों के जिलाधिकारियों का संयुक्त दल गठित किया है, जो ग्रामों में उपस्थित होकर स्व सहायता समूहों के सदस्यों को विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करते हुये बेहतर आजीविका गतिविधियों के चयन हेतु आवश्यक जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं।

उक्त प्रक्रियाओं का आज कलेक्टर द्वारा अवलोकन कर इस बात पर जोर दिया कि स्थानीय आवश्यकता एवं संसाधनों की उपलब्धता तथा उत्पादों हेतु बाजार की उपलब्धता को ध्यान में रखने से गतिविधियों के सफल होने की संभावना बढ़ जाती है, अतः गतिविधि निर्धारण में इन बातों का विशेष ध्यान रखा जाये।

जिलाबदर आदेश का उल्लंघन कर नगर में घूमते पाए जाने पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी को धर दबोचा

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह पवार के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी एवं एस.डी.ओ.पी. सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा जिला बदर चल रहे आरोपी संग पटेल निवासी पुरानी बस्ती, अनूपपुर के नगर में घूमते पाए जाने की सूचना पर घेराबंदी कर दबोचा जाकर कार्यवाही कर गिरफ्तार किया गया।

उल्लेखनीय है कि न्यायालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट जिला अनूपपुर आशीष वशिष्ठ के द्वारा पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह पवार के प्रतिवेदन पर संग पटेल पिता शेषनारायण पटेल उम्र करीब 23 साल निवासी पुरानी बस्ती, अनूपपुर के विरुद्ध विगत 4 वर्षों में मारपीट, गाली गलौज, जान से मारने की धमकी एवं एक्सटॉर्शन के 09 अपराधिक प्रकरण थाना कोतवाली में दर्ज होना पाए जाने से दिनांक 23 अक्टूबर 2023 को मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3.1 धारा 5 - क की कण्डिका (क) एवं (ख) तथा सह पठित धार 7 के अंतर्गत जिला अनूपपुर एवं जिला अनूपपुर की सीमा से लगे हुए मध्य प्रदेश राज्य के जिला शहडोल, उमरिया और डिंडोरी की सीमाओं से 1 वर्ष की काल अवधि के लिए निष्कासित किया गया है।

जिला बदर किए गए आदतन अपराधी संग पटेल निवासी पुरानी बस्ती अनूपपुर के द्वारा जिला बदर आदेश का उल्लंघन कर दिनांक 06.05.2024 को शाम करीब 8:00 पुरानी बस्ती अनूपपुर में घूमते पाए जाने की सूचना पर टी.आई.कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन के नेतृत्व में उप निरीक्षक मंगला प्रसाद दुबे, आरक्षक पूर्णानंद मिश्रा, गिरीश चौहान मनोज गुर्जर एवं दिनेश पाटील के द्वारा घेराबंदी किया जाकर जिला बदर आरोपी संग पटेल को पकड़ा जाकर मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 14 एवं भारतीय दंड विधान की धारा 188 के तहत अपराध पंजीकृत किया जाकर गिरफ्तार किया गया है।

स्कूली वाहनों में बच्चों के सुरक्षित आवागमन हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी गाइडलाइंस के शत् प्रतिशत पालन के संबंध में स्कूल संचालक/बस संचालकों की बैठक आयोजित की गई

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र सिंह पवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इसरार मंसूरी एवं अनु विभागीय अधिकारी सुमित केरकट्टा के निर्देशानुसार यातायात पुलिस एवं जिला परिवहन विभाग द्वारा स्कूली वाहनों में बच्चों की सुरक्षित आवागमन हेतु माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रत्येक स्कूली वाहन में आवश्यक सुरक्षा उपकरण व सुविधाओं एवं स्कूली वाहनों के संचालन के संबंध में जारी गाइडलाइंस के पालन हेतु स्कूल संचालकों /बस संचालकों के साथ बैठक आयोजित किया गया। उक्त बैठक के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निम्नांकित बिंदुओं के पालन हेतु समस्त स्कूल एवं बस संचालकों को लिखित में प्रतिवेदन प्रदान किया गया

1. स्कूली वाहन का रंग पीला होना चाहिए।
2. स्कूली वाहन के आगे और पीछे स्कूल बस/ स्कूल वैन लिखा होना चाहिए, यदि वाहन अनुबंध मे है तो उक्त वाहन पर 'ऑन स्कूल ड्यूटी' लिखा होना चाहिए।
3. स्कूल बसों में गति नियंत्रण यंत्र (L.S.D.) लगा होना चाहिए।

4. स्कूल बसों में खिड़कियों पर (होरिजेंटल) ग्रिल होना अनिवार्य है।
5. स्कूल बस/ स्कूल वैन में अग्नि समन यंत्र की सुविधा होनी चाहिए।
6. स्कूल बस/ स्कूल वैन में स्कूल का नाम एवं मोबाइल नंबर अंकित होना चाहिए।
7. स्कूल बस में प्रवेश एवं निर्गमन हेतु पृथक-पृथक दो दरवाजे होने चाहिए।
8. स्कूल बस के ताले ठीक स्थिति में होने चाहिए।
9. स्कूल बस में सीसीटीवी कैमरा एवं जीपीएस सिस्टम लगा हो एवं चालू स्थिति में होना चाहिए।
10. स्कूली वाहन की गति 40 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक नहीं होनी चाहिए।
11. बस में शिक्षित/ प्रशिक्षित परिचालक होना चाहिए।
12. स्कूली वाहन में क्षमता से अधिक सवारी नहीं होने चाहिए।
13. स्कूली वाहन में प्राथमिक चिकित्सा हेतु फर्स्ट एड बॉक्स होना चाहिए।
14. स्कूल वाहन चालक के पास हैवी लाइसेंस होना चाहिए तथा उसको कम से कम 5 साल भारी वाहन चलाने का अनुभव होना चाहिए।
15. वाहन चालक का पुलिस द्वारा चरित्र सत्यापन अवश्य करावें।
16. स्कूल बस में एक प्रशिक्षित कंडक्टर होना चाहिए यदि बस में छात्राएं सफर कर रही हों तो महिला कंडक्टर या शिक्षिका उपस्थित होने चाहिए।

उक्त बैठक के दौरान थाना प्रभारी यातायात ज्योति दुबे एवं जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह गौतम उपस्थित रहे।

'भारत के लेकमैन' ने बताई तालाबों के पुनर्जीवन की नई गाथा

जबलपुर। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती जयति सिंह के निर्देशन में आज मानस भवन में %%तालाब का पुनर्जीवन%% विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें ÷भारत के लेकमैन÷ श्री आनंद मल्लिगावड द्वारा कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागियों को बताया गया कि उनके द्वारा कैसे वर्ष 2015 से इस कार्य को करने की प्रेरणा मिली और वो अपने जॉब को छोडकर क्यों इस कार्य को करने के लिये चुने। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि किन-किन कठिनाईयों का सामना करना पडा और कैसे लोगों को इस कार्य करने के लिये अपने साथ जोडा गया। लेक में किस तरह से अवैध कब्जों को हटाया गया बिना प्रशासन का सहयोग लिये। उनके द्वारा अपने प्रस्तुतीकरण में बताया गया कि बेंगलूरू में कुल 36 लेक का पुनर्उत्थान किया गया। वह देश के 12 राज्यों के साथ वर्तमान में मिलकर इस विषय पर कार्य कर रहे है। उन्होंने प्राकृतिक तरीके से जल संरक्षण के लिये तालाबों के पुनर्जीवन के समस्त पहलुओं को व्यवहारिक रूप में बताया और उनके द्वारा किये गये कार्यों को भी दिखाया गया। उन्होंने कहा कि जल

में भी जीवन होता है, अतः सभी लोग जल संरक्षण की दिशा में कार्य करें और तालाबों को पुनर्जीवित करें। यह कार्य भावी पीढी के लिये बहुत लाभकारी होगा। उनके द्वारा प्रस्तुतीकरण के द्वितीय भाग में तकनीकी विकल्प के बारे में विस्तार से अवगत कराया गया। तदोपरांत भूमि जल संरक्षण बोर्ड भोपाल से उपस्थित डा. राकेश सिंह साईन्टिस्ट द्वारा बोरवेल और अंडर ग्राउण्ड वाटर रिचार्ज पर अपना प्रस्तुतीकरण दिया गया। उनके द्वारा बताया गया कि बोरवेल खनन के दौरान किन-किन बातों को ध्यान में रखा जाये जिससे पानी की उपलब्धता बनी रहे। इस दौरान उन्होंने बोरवेल खनन के लिये स्थान चयन के साथ अन्य विभिन्न पहलुओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। जिससे की बोरवेल फेल न हो। कार्यशाला में सीईओ जिला पंचायत, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित जिले के समस्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, सहायक यंत्री, उपयंत्री, ब्लाक समन्वयक एसबीएम, समस्त ग्राम पंचायतों के सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक, कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जलसंसाधन विभाग एवं अशासकीय संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आयुक्त कृषि ने किया हैप्पी सीडर से बोई गई मूंग की फसल का अवलोकन

- राली प्रबंधन के लिये नवाचार अपनाने की जबलपुर जिले की तारीफ

जबलपुर। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के आयुक्त सह संचालक एम शैल्वेंद्रम ने जबलपुर प्रवास के दौरान आज मंगलवार को शहपुरा विकासखंड के ग्राम किसरोद में कृषक कैलाश पटेल द्वारा हैप्पी सीडर के माध्यम से की गई मूंग की बोनी का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने पराली प्रबंधन योजना के तहत जबलपुर जिले में किये जा रहे इस नवाचार की जमकर तारीफ की तथा ज्यादा से ज्यादा किसानों को इसे अपनाने के लिये प्रेरित करने पर जोर दिया।

बता दें कि जबलपुर जिला हैप्पी सीडर से ग्रीष्म कालीन फसलों की बुआई के मामले में प्रदेश में अव्वल है। कृषि अधिकारियों द्वारा किये जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप यहाँ कई किसानों ने गेहूँ कटने के बाद नरवाई जलाये बिना हैप्पी सीडर से ग्रीष्मकालीन मूंग और उड़द की बुआई की है। आयुक्त कृषि श्री शैल्वेंद्रम इस नवाचार का अवलोकन करने आज जबलपुर पहुँचे थे। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग भोपाल के संयुक्त संचालक जी एस चौहान भी उनके साथ थे।श्री शैल्वेंद्रम को कृषक कैलाश पटेल ने बताया कि हैप्पी सीडर मशीन से मूंग की बोनी करने पर पूर्व में लगने वाले समय से लगभग सात दिनों की बचत हुई है और बीज

भी कम मात्रा में लगा है। पहले फसल को हर सप्ताह पानी देना होता था लेकिन अब अब पंद्रह दिन में एक बार खेत की सिंचाई करनी पड़ती है। आयुक्त कृषि ने इस मौके पर किसान कैलाश पटेल को कृषि भूमि की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए अगली बार धान एवं गेहूं की बोनी भी हैप्पी सीडर से करने की सलाह दी। इस अवसर पर परियोजना संचालक आत्मा डॉ एस के निगम ने बताया कि हैप्पी सीडर द्वारा बोनी करने से भूमि में एक्टीनोमाइटिज एवं अन्य लाभदायक जीवों की संख्या में वृद्धि होती है और कीट रोग का प्रकोप भी कम हो जाता है। उन्होंने बताया कि हैप्पी सीडर से बुआई से पूर्व में ली गई फसल के अवशेष अगली फसल के लिये जैविक खाद का काम करते हैं। पहली फसल के अवशेष दूसरी फसल के लिये मल्चिंग का काम भी करते हैं। इससे पानी के वाष्पन की गति धीमी होती है तथा मिट्टी में निरंतर नमी बनी रहने के कारण फसल की सिंचाई में पानी काफी कम मात्रा में लगता है। उप संचालक कृषि रवि आम्रवंशी ने कृषक कैलाश पटेल के खेत में डाले गये कंट्रोल प्लाट से प्रदर्शन प्लाट का अंतर दिखाते हुए तुलनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया। अनुविभागीय अधिकारी कृषि पाटन डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने बताया कि पाटन अनुविभाग में लगभग 30 कृषकों के पास हैप्पी सीडर मशीन उपलब्ध है। इससे लगभग 2 से 3 हजार एकड़ में ग्रीष्म कालीन फसल की बोनी की गई है। फसल अवलोकन के दौरान सहायक संचालक कृषि श्रीमती कीर्ति वर्मा, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी रजनीश दुबे, मेघा अग्रवाल, एस के परतेती, रोहित गुप्ता सहित बड़ी संख्या में आसपास के किसान उपस्थित रहे।

इंदौर जिले में अपार उत्साह और उमंग के साथ चलाया गया चले बूथ की ओर अभियान

इन्दौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिये आज प्रत्येक मतदान केन्द्र पर ÷चले बूथ की ओर÷ अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत मतदाताओं ने अपार उत्साह और उमंग के साथ भागीदारी करते हुए गाँव और बूथ स्तर पर रैलियां निकाली। घर-घर संपर्क कर 13 मई को मतदान के लिए बुलावा दिया गया। वरिष्ठ, बुजुर्ग/दिव्यांग मतदाताओं का सम्मान भी किया गया। यह अभियान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह के मार्गदर्शन में इंदौर जिले के सभी ग्राम और वार्ड में एक साथ आयोजित किया गया। अभियान के तहत मतदाताओं को मतदान करने हेतु सामूहिक शपथ भी दिलाई गई।

इंदौर जिले में अधिकाधिक मतदान सुनिश्चित कराने के लिए बूथ मार्च उपरांत बूथ अवेयरनेस ग्रुप के सदस्यों द्वारा अलग-अलग दल बनाकर प्रत्येक ग्राम/बस्ती में घर-घर जा कर पीले चावल देकर 13 मई को मतदान हेतु मतदाताओं को आमंत्रित किया गया। मतदाताओं से संकल्प पत्र भी भरवाये गये। स्वीप अभियान के प्रभारी तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि क्षेत्र के वरिष्ठ, बुजुर्ग मतदाता/दिव्यांग मतदाताओं का सम्मान भी गृह संपर्क के दौरान किया गया। मेगा रांगोली/मानव श्रंखला/साईकल रैली/सेल्फी पाईंट आदि स्वीप गतिविधियां भी की गई। उक्त आयोजन में केम्पस एम्बेसेडर्स/ईएलसी/चुनाव पाठशाला/रहवासी संघ/एनजीओ/वोटर अवेयरनेस फोरम को भी उक्त अभियान में सक्रिय रूप से सम्मिलित किया गया। चले बूथ की ओर अभियान अंतर्गत प्रत्येक मतदान केन्द्र पर स्वीप गतिविधियों का सघन रूप से आयोजित करने के निर्देश मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा निर्देश दिये गये थे।

अभियान के तहत जनपद पंचायत सांवेर के ग्राम भांग्या में महिलाओं ने एकत्रित होकर ढोल के साथ जागरूकता रैली निकाली। इस रैली के माध्यम से मतदाताओं को मतदान का संदेश दिया। इसमें बड़ी संख्या में युवा और अन्य नागरिक भी शामिल हुए। इसी तरह ग्राम खजूरिया में भी रैली निकाली गई। ग्राम काचरोट में महिलाओं ने रैली निकाली, उन्होंने एक जगह एकत्रित होकर मतदान करने का संकल्प भी लिया। ÷चले बूथ की ओर÷ अभियान के तहत जिले के सभी घरों में संपर्क किया गया। मतदाता पर्ची दी गई। साथ ही मतदाताओं को मतदान का महत्व समझाया गया। ग्राम टोडी में महिलाओं ने एक ही कलर की साड़ी पहनकर एकता का संदेश देने के साथ ही मतदान का संदेश भी दिया। उन्होंने रंगबिरंगी रांगोली बनाकर मतदान के महत्व को समझाया।

बाल विवाह करने पर होगी सजा और जुर्माना

रीवा। बाल विवाह सामाजिक कुरीति के साथ कानूनी रूप से अपराध है। विवाह के लिए कन्या की आयु 18 वर्ष से अधिक तथा वर की आयु 21 वर्ष से अधिक होना आवश्यक है। इस निर्धारित आयु से कम आयु के कन्या तथा वर का विवाह कानूनन अपराध है। इस तरह का बाल विवाह करने वाले और उसे संपन्न कराने वाले को दो वर्ष तक की सजा तथा एक लाख रुपए का जुर्माना हो सकता है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय ने बताया कि सभी माता-पिता अपने बेटे और बेटी का विवाह उचित आयु में करें। कम आयु में बेटी शारीरिक और मानसिक रूप से विवाह के योग्य नहीं होती है। बाल विवाह गंभीर सामाजिक कुरीति है। इसे रोकने के लिए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 लागू किया गया है। इसके तहत बाल विवाह से पीड़ितों को सुरक्षा और राहत प्रदान करने के साथ-साथ बाल विवाह को प्रोत्साहित करने एवं उसे संपन्न कराने वालों पर कठोर दण्ड का प्रावधान है। जिसमें दो वर्ष की जेल तथा एक लाख रुपए तक का जुर्माना हो सकता है।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने आमजनता से अपील करते हुए कहा है कि समाज में अब बाल विवाह की घटनाएं लगभग न के बराबर होती हैं। लेकिन यदि कहीं पर भी बाल विवाह संपन्न कराने का प्रयास किया जा रहा है तो आमजन तत्काल महिला एवं बाल विकास विभाग अथवा पुलिस थाने को इसकी सूचना दें। विवाह संपन्न कराने वाले धर्मगुरू तथा विवाह से संबंधित व्यवस्थाओं जैसे बारातघर, हलवाई, विवाह घर संचालक, बैण्डबाजे वाले आदि बाल विवाह होने पर तत्काल सूचना दें। बाल विवाह को रोकने के लिए जिले भर में एसडीएम की अध्यक्षता में उड़नदस्ते गठित किए गए हैं। बाल विवाह को रोकने के लिए जिला स्तरीय कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसका प्रभारी सहायक संचालक अनिल जैन को बनाया गया है। उनका मोबाइल नम्बर 9893662009 है। बाल विवाह की शिकायत चाइल्ड लाइन के टोल फ्री नम्बर 1098 पर भी की जा सकती है।

सात निजी स्कूलों की शिकायतों पर खुली सुनवाई 8 को

जबलपुर। जिला प्रशासन द्वारा सात निजी स्कूलों से संबंधित शिकायतों पर खुली सुनवाई बुधवार 8 मई को शाम 5 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में की जायेगी। इन निजी स्कूलों में काईस्टचर्च स्कूल की सभी शाखाओं सहित ज्ञान गंगा आर्चिड इंटरनेशनल स्कूल, लिटिल वर्ल्ड कटंगा एवं तिलवाराघाट, सत्यप्रकाश स्कूल पोलीपाथर, अजय सत्यप्रकाश स्कूल पनागर, चैतन्य टैक्नो स्कूल एवं नालंदा स्कूल धनवंतरी नगर शामिल हैं। कलेक्टर दीपक सक्सेना की अध्यक्षता में आयोजित इस खुली सुनवाई में सबंधित विद्यालय के प्रबंधक एवं प्राचार्य उपस्थित होकर शिकायतों पर उत्तर देगें। शिकायतकर्ता भी सुनवाई में उपस्थित रह सकेगें। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने बताया कि अभी भी यदि कोई अभिभावक इन स्कूलों से संबंधित शिकायत करना चाहते हैं तो वे अपनी शिकायत सीधे कलेक्टर को अथवा अपर कलेक्टर प्रथम को या उन्हें दे सकते हैं। प्राप्त सभी शिकायतों को सुनवाई में शामिल किया जायेगा।

न्यायाधीशों, प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ नागरिकों ने किया मतदान

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रूचिका सिंह चौहान, में सपत्नीक न्यायाधीश आनंद पाठक, संभागायुक्त डा. सुदामा खाड़े और पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सैना, उपजिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन सपरिवार और निगमायुक्त हर्ष सिंह मतदान के बाद सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचाते हुये।

ग्वालियर। मंगलवार को वरिष्ठ मतदाता, पहली बार मतदान करने वाले युवा, महिला व दिव्यांगजन उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग करने पहुँचे।

उच्च न्यायालय खण्डपीठ ग्वालियर के माननीय न्यायमूर्ति आनंद पाठक ने सपत्नीक केन्द्रीय विद्यालय क्र.-1 में बने मतदान केन्द्र पर पहुँचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसी तरह उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशगण सपरिवार मतदान करने पहुँचे। सेवानिवृत्त प्रशासनिक न्यायाधिपति रोहित आर्या ने सपत्नीक मतदान केन्द्र पहुँचकर अपने-अपने वोट डाले।

संभाग आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने पुराने रेस्ट हाउस मतदान केन्द्र पहुँचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसी तरह पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना ने सपरिवार पुराने रेस्ट हाउस मतदान केन्द्र पर वोट डाले। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने केन्द्रीय विद्यालय क्र.-1 मतदान केन्द्र पर ईवीएम का बटन दबाकर अपने मताधिकार का उपयोग किया। पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने पुराने रेस्ट हाउस मतदान केन्द्र पर वोट डाला। नगर निगम आयुक्त हर्ष सिंह ने केन्द्रीय विद्यालय नं.-1 में अपना वोट डाला। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार ने सपत्नीक और उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव जैन ने सपरिवार अपने मताधिकार का उपयोग किया।

मतदान शुरू होने से पहले ही लगी कतारें

लोकतंत्र के महापर्व में अपनी भागीदारी के प्रति मतदाताओं में इस बार विशेष उत्साह देखने को मिला। मंगलवार को मतदान शुरू होने से पहले ही कई मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें देखी गईं। ग्वालियर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के नयापुरा, तारागंज, अवाड़पुरा तथा ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत संत रविदास आश्रम, कबीर आश्रम, बालक उमावि., विधानसभा क्षेत्र भितरवार के अंतर्गत ग्राम भेंगना व शासकीय प्राथमिक विद्यालय बेला, बासोंडी व रिछारीकला सहित जिले के अन्य मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही लोग सारे काम छोड़कर वोट डालने पहुँच गए।

लकी ड्रा से मतदाताओं को मिले उपहार

मतदान के जरिए अपने संवैधानिक अधिकारों का उपयोग करने पहुँचे

ग्वालियर जिले के मतदाताओं को उपहार भी मिले। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर जिले के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर लकी ड्रा बॉक्स रखे गए थे। इन बॉक्स में जिन मतदाताओं ने वोट डालने के बाद अपना नाम व मोबाइल फोन नंबर लिखकर पर्चियाँ डालीं हैं, उनकी पर्चियों में से दोपहर व सायंकाल में लकी ड्रा निकाले गए। जिन मतदाताओं के लकी कूपन निकले, उन्हें बाल भवन में पुरस्कृत किया गया।

लोकतंत्र के महापर्व में संत-महंतों की भी आहुति

लोकतंत्र के महायज्ञ में संत-महंतजन भी मतदान के माध्यम से अपनी आहुति देने पहुँचे। महंत विष्णुदास ने आकाशवाणी केन्द्र के समीप स्थित केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-1 में बने मतदान केन्द्र क्रमांक-124 में पहुँचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया। इसी तरह विभिन्न धर्मों के संतजनों, वृद्ध और गणमान्य नागरिकों ने भी अपने मताधिकार का उपयोग किया।

शांतिपूर्ण मतदान के लिये जिला निर्वाचन अधिकारी ने जताया आभार

ग्वालियर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका

चौहान ने जिले में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शातिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न होने पर जिले के सभी मतदाताओं, राजनैतिक दलों व सभी प्रत्याशियों एवं जिले के प्रबुद्धजन, सामाजिक व सेवाभावी संगठनों के प्रति आभार जताया है। साथ ही सभी मतदान दलों व सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित मतदान प्रक्रिया से जुड़े सभी शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों, सुरक्षा प्रबंध मे लगे केन्द्रीय सुरक्षा बल, एसएएफ व जिला पुलिस बल के अधिकारियों-जवानों एवं मीडिया प्रतिनिधिगणों के प्रति भी आभार व्यक्त किया है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने कहा कि सभी के साझा प्रयासों और सहयोग से ही जिले में शांतिपूर्ण, निर्विघ्न एवं निष्पक्ष मतदान सम्पन्न हो सका है।

पेड न्यूज रोक कमेटी के सदस्य विनय अग्रवाल ने सपरिवार किया मतदान

ग्वालियर। लोकसभा निर्वाचन 2024 की एमसीएमसी कमेटी के सदस्य विनय अग्रवाल ने भी सपरिवार पहुंचकर मतदान किया। उनके साथ उनकी पत्नी रश्मि अग्रवाल जिला उपाध्यक्ष भारत स्काउट गाइड, पुत्र आयुष अग्रवाल, पुत्रवधू श्रिया अग्रवाल व पुत्री ऐश्वर्या अग्रवाल ने भी मताधिकार का उपयोग किया।

पुरानी रंजिश पर मारपीट कर की फायरिंग, सात पर मामला दर्ज

ग्वालियर। ढाबे से खाना खाकर घर जा रहे दो युवकों को आधा दर्जन से ज्यादा बदमाशों ने घेरा और मारपीट कर फायरिंग कर दी। घटना बिजौली थाना क्षेत्र के सरसपुरा की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बिजौली थाना क्षेत्र के पारसेन निवासी राजकुमार पुत्र सूरज भान सिंह गुर्जर बीते रोज अपने दोस्त बिजेन्द्र सिंह के साथ मामा ढाबा से खाना खाकर बुलट बाइक से अपने घर जा रहा था। अभी वह सरसपुरा मोड पर पहुंचा ही था कि तभी उसका रास्ता उनके गांव में रहने वाले संजीव गुर्जर, रामबरन गुर्जर, मंथा गुर्जर, पूरन गुर्जर व तीन अज्ञात ने रास्ता रोका और उनकी मारपीट करना शुरू कर दिया। वहां से निकल रहे लोग बीच-बचाव करने आए तो आरोपियों ने फायरिंग कर इसके बाद हमलावरों ने उन्हें पीट-पीटकर अधमरा कर भाग गये। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद घायलों को उपचार के लिए भर्ती कराकर आरोपियों के खिलाफमामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

पति व पति की महिला मित्र ने महिला को पीटा

ग्वालियर। पति के बाहर जाने पर पत्नी ने रोकटोक की तो पति व उसकी महिला मित्र ने महिला की मारपीट कर दी। घटना हजीरा थाना क्षेत्र के बिरला नगर की है। घटना का शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। हजीरा थाना क्षेत्र के बिरला नगर निवासी 46 वर्षीय मीना पत्नी राजेन्द्र सिंह ने शिकायत की है कि बीते रोज उसका पति बाहर जा रहा था तो उसने रोक-टोक की। इसके बाद भी पति घर से चला गया और कुछ देर बाद उनकी महिला मित्र उमा का कॉल उसके मोबाइल पर आया और उमा ने शिकायत की वह अपने पति से उसके बारे में गलत बात क्यो कहती है। इसके बाद पति राजेन्द्र और उमा घर आए और उसकी मारपीट कर दी। मामले का पता चलते ही परिजन वहां पर पहुंचे और बीच बचाव कराया। घटना की शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकयत की।

मतदाताओं को चिड़ियाघर, फिश एक्वेरियम और वोट क्लब पर मिला डिस्काउंट

ग्वालियर। लोकसभा निर्वाचन में अधिक से अधिक संख्या में लोग अपने मतदान का उपयोग करें। इसके लिए जिला प्रशासन और नगर निगम ने काफी प्रयास किए हैं। इन्ही प्रयास के तहत मतदान करने के बाद उंगली पर स्याही का निशान दिखने वाले लोगों को चिड़ियाघर, फिश एक्वेरियम और बोट क्लब पर टिकट में 50 परसेंट का डिस्काउंट दिया गया। चिड़ियाघर में 300 लोगों ने इस ऑफर का लाभ उठाया।

लोकसभा निर्वाचन 2024 में ग्वालियर लोकसभा सीट पर अधिक से अधिक मतदान हो इसके लिए नगर निगम द्वारा और जिला प्रशासन के द्वारा काफी प्रयास किए गए । साथ ही कई नई पहल भी की गई । इन्ही नई पहल में एक पहल चिड़ियाघर, फिश एक्वेरियम और बोट क्लब पर सेलानियो द्वारा खरीदे जाने वाले टिकट पर 50 परसेंट की छूट देना भी शामिल रहा। चिड़ियाघर में आने वाले 900 सैलानियों से टिकट काउंटर पर उंगली का निशान दिखाने को कहा गया तो सैलानी भी चौंक गए । क्योंकि जिन 300 लोगों की उंगली पर मतदान वाली स्याही का निशान था, उन्हें 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की गई । इसी प्रकार फिश एक्वेरियम और बोट क्लब पर भी सैलानियों को 50 प्रतिशत की छूट दी गई। लोगो ने उत्साह से इस ऑफर का लाभ उठाया।

मतदान की गोपनीयता भंग करने पर दो मतदाताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज

ग्वालियर। मतदान की गोपनीयता भंग करना ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के दो मतदाताओं को भारी पड़ा है। इन दोनों के खिलाफ संबंधित पुलिस थानों में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्र.-82 शासकीय प्राथमिक विद्यालय भवन डीआरपी लाइन में एक मतदाता गिर्राज सिंह उर्फ रिंकू परमार ने फेसबुक पर एक वीडियो अपलोड किया जिसमें वह मतदान प्रकोष्ठ के अंदर मतदान करते हुए दिखाई दे रहा था। इससे मतदान की गोपनीयता भंग हुई है। मतदान की गोपनीय भंग करने के अपराध में रिंकू परमार के खिलाफ पुलिस थाना बहोड़ापुर में संबंधित सेक्टर ऑफीसर द्वारा एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसी तरह शिवपुरी जिले के पोहरी विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्र.-126 बेहटा में एक मतदाता होकम वर्मा पुत्र रामकुमार वर्मा द्वारा मतदान करते हुए ईवीएम मशीन का वीडियो बना लिया था। साथ ही इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपलोड कर दिया। जिससे मतदान की गोपनीयता भंग हुई। मतदाता होकम वर्मा के खिलाफ पुलिस थाना पोहरी में मतदान की गोपनीयता भंग करने के अपराध में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

पत्नी से हुये विवाद के बाद पेड़ से लटककर दी जान

ग्वालियर। पत्नी से विवाद के बाद युवक अपने घर पहुंचा और पेड़ पर फांसी लगाकर जान दे दी। घटना पुरानी छावनी थाना क्षेत्र के बरौआ गांव की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिये भिजवाकर मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुरानी छावनी निवासी छोटू उर्फ हरिकिशन माहौर पुत्र रतन सिंह माहौर ने फांसी लगाकर जान दे दी। हरिकिशन के बारे में बताया गया है कि वह प्राइवेट जॉब करता है और कुछ समय से अपनी पत्नी के साथ मालनपुर में रह रहा है। दो दिन से छोटू और उसकी पत्नी में विवाद हो रहा था। इसका पता जब छोटू के बड़े भाई को चला तो वह छोटू को लेकर अपने घर पुरानी छावनी आ गया था। यहां पर आते ही छोटू ने मां के बारे में पूछा तो परिजनों ने बताया कि वह खेत पर गई है। इसका पता चलते ही वह मां से मिलने की बोलकर निकला था। उसके घर से जाने के कुछ ही देर बाद गांव के कुछ युवक आए और बताया कि छोटू ने बबूल के पेड़ पर फांसी लगाकर जान दे दी है। इसका पता चलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम जांच शुरू कर दी है।

साड़ी का फंदा बनाया और लगाई फांसी

माधौगंज थाना क्षेत्र के कंकाली माता मंदिर के पास एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार माधौगंज थाना क्षेत्र में रहने वाले देवेन्द्र सिंह उर्फ मुन्नू जाटव पुत्र बाबू सिंह जाटव ने साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाकर जान दे दी। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मर्ग कायम कर लिया है। फिलहाल पता नहीं चला है कि किस कारण के चलते उसने फांसी लगाकर जान दी है।

मतदान के दौरान गड़बड़ी रोकने के लिये सक्रिय रहा पुलिस और प्रशासन

ग्वालियर। लोकसभा चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी ना हो इसे रोकने के लिए मंगलवार को सुबह से ही मतदान केन्द्र पर पुलिस जवान व अफसर तैनात हो गये थे। इसके साथ ही पुलिस और प्रशासन के अफसर भी मतदान केन्द्रों का सुबह से ही निरीक्षण करते रहे। मतदान के दौरान पुलिस और प्रशासन का एक्शन पूरे दिन दिखा। जो मोबाइल पार्टी बनाई गई थी वे बिना रूके लगातार भ्रमण कर अपनी मौजूदगी का अहसास कराती नजर आई।

मंगलवार को मतदान के दौरान जिले के सभी थानों से चार-चार मोबाइल निकाली गई थीं, जो लगातार अपने-अपने इलाके में स्थित पोलिंग बूथ के साथ ही सड़कों पर निगरानी कर रही थीं। इस दौरान पोलिंग बूथ पर निर्धारित दूरी के अंदर जो भी भीड़ दिखी, उसे उन्होंने खदेड़ दिया। अधिकतर मतदान केन्द्रों पर प्रत्याशी के पक्ष में क्रॉस चेक करने के लिए आए एजेंट मोबाइल अपने साथ लेकर

बैठे थे, जब पुलिस अफसरों को इसका पता चला तो उनके मोबाइल बाहर करवाए, साथ ही सभी पोलिंग बूथ में तैनात पुलिस अफसरों को निर्देशित कर सभी एजेंट की जांच कराई और जिनके पास भी मोबाइल थे, उन्हें बाहर करने के निर्देश दिए। जिसके बाद सभी एजेन्ट के मोबाइल बाहर किए गए। अपने मत का उपयोग करने के लिए पोलिंग बूथ पर आए मतदाता अपने साथ अपना सेल फोन लेकर पहुंचे तो ड्यूटी पर मौजूद पुलिस कर्मियों ने उन्हें उस समय तक प्रवेश नहीं दिया, जब तक वह अपना मोबाइल बाहर नहीं छोड़ गए। पोलिंग बूथ पर विवाद की स्थिति ना बने इससे निपटने के लिए अर्द्ध सैनिक बल तैनात किए थे।

मतदान के दौरान सर्किल के हिसाब से एएसपी और सीएसपी अपने बल के साथ लगातार मॉनीटरिंग करते रहे, साथ ही थाना क्षेत्र में तैनात मोबाइल की हर दस मिनट में लोकेशन लेकर उन्हें भी निर्देश देते रहे, जिससे मतदान के दौरान हर जगह पुलिस ही पुलिस नजर आई। वहीं पुलिस कप्तान धर्मवीर सिंह तथा कलेक्टर रूचिका सिंह चौहान ने भी लगातार मतदान केंद्रों पर नजर बनाये रखी और जहां पर भी विवाद जैसे हालात बनते नजर आए, वहां पर पुलिस बल तैनात किया गया, ताकि वहां पर स्थिति ना बिगड़ने पाए। इसके साथ ही दो थाना प्रभारी कंट्रोल रूम में लगे सीसीटीवी से पूरे शहर की निगरानी कर रहे थे, जिससे कहीं कोई गड़बड़ी हो तो तुरंत नजर रखी जा सके। पुलिस और प्रशासन की सक्रियता के चलते मतदान के दौरान जिले में कोई भी अप्रिय घटना नहीं घटी।

फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दस-दस हजार के दो इनामी पकड़े

ग्वालियर। गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के पिण्टो पार्क इलाके में ताबड़तोड़ फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो दस-दस हजार रुपए के इनामी बदमाशों को मंगलवार की सुबह पुलिस ने दबोच लिया है। पुलिस ने पकड़े गए बदमाशों को हिरासत में लेकर उनके अन्य साथियों के बारे में पूछताछ शुरू कर दी है।

एएसपी क्राइम शियाज केएम ने बताया कि गोला का मंदिर थाना क्षेत्र के पिंटो पार्क इलाका निवासी सौरभ सिंह तोमर के घर पर आधा दर्जन बदमाशों ने बीते दिनों ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। फायरिंग से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। फायरिंग करने वाले बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दस-दस हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। साथ ही बदमाशों की तलाश के लिए महाराजपुरा, पुरानी छावनी, गोला का मंदिर और क्राइम ब्रांच की टीमें उनकी तलाश के लिए लगाई गई थी। बीते तीन दिन से पुलिस की टीमें उनकी तलाश में लगी हुई थीं, लेकिन उनका सुराग नहीं मिल पा रहा था और तीन दिन से आरोपी किसी के संपर्क में नहीं थे।

मंगलवार की सुबह जब वह अपने ठिकाने से बाहर आए तो पुलिस ने उन्हें दबोच लिया, अब पुलिस पूछताछ करने में जुट गई है कि उनके साथ वारदात में कौन-कौन शामिल था और उन्होंने कहां पर पनाह ली थी, जिससे उसके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। पकड़े गए बदमाशों से पूछताछ की तो उन्होंने अपने नाम दिनेश सिंह और सम्राट उर्फ संजीव गुर्जर बताए है। इनके इशारे पर ही इनके साथियों और इन्होंने फायरिंग कर ताबड़तोड़ दहशत फैलाई थी। पकड़े गए बदमाशों का पूरा डाटा पुलिस खंगाल रही है, जिससे इन्हें शह देने वाले बदमाशों पर भी कड़ाई की जा सके, जिससे वह भविष्य में किसी बदमाश की मदद नहीं कर सकें।

गौरतलब है कि पिण्टो पार्क निवासी सौरभ सिंह तोमर का बीएसएफ कॉलोनी निवासी संजीव गुर्जर से पुराना विवाद चल रहा है। शुक्रवार को सौरभ तोमर के घर पर दोनों पक्ष राजीनामा की बातचीत के लिए एकत्रित हुए थे और यहां पर संजीव, दिनेश सिंह ने अपने साथियों के साथ दनादन फायरिंग कर दी। फायरिंग से इलाके में दहशत फैल गई। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक आरोपी वहां से भाग निकले। पुलिस ने आरोपियों पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया है। इस मामले में एसपी धर्मवीर सिंह का कहना है कि गोला का मंदिर इलाके में फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले दो आरोपी पकड़े गए हैं, इन पर दस-दस हजार रुपए का इनाम घोषित था। शेष आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है।

महिला से दुष्कर्म का प्रयास, आरोपी पकड़ा

ग्वालियर। आधी रात को घर में घुसकर एक मनचले ने महिला से दुष्कर्म का प्रयास किया। घटना बिजौली थाना क्षेत्र के रशीदपुर में सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब साढ़े 11 बजे की है। घटना का शिकार पीडिता ने शोर मचाया तो पति उसकी मदद को आया तो आरोपी पति और पत्नी की मारपीट कर फरार हो गया। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर आरोपी को दबोच लिया है।

बिजौली थाना क्षेत्र के रशीदपुर निवासी 32 वर्षीय महिला ने शिकायत की है कि बीती रात नौ बजे खाना खाने के बाद वह सो गई थी और रात करीब साढ़े 11 बजे उसे मवेशियों की आवाज आई तो वह बाहर आई तो देखा तभी एक युवक ने उसका हाथ पकड़ कर उसे पटक लिया और गलत काम करने का प्रयास किया, उसने शोर मचाने का प्रयास किया तो आरोपी ने उसका मुंह दबा लिया और जान से मारने की धमकी दी।

आरोपी उसके गांव में रहने वाला सुजान सिंह पुत्र उम्मेद कुशवाह था। किसी तरह खुद को बचाकर पीडिता ने शोर मचाया तो उसकी आवाज सुनकर उसका पति वहां पर आया तो आरोपी ने पति व पत्नी की मारपीट कर भाग गया। जब आरोपी भागने के बाद पीडिता ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पीडिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

संपादकीय

भ्रष्टाचार के तहखाने में नोटों की गड्डी

क्या वजह है कि काले धन पर काबू पाने के लिए बनाए गए कायदे-कानून को लेकर सख्ती के दावों के बावजूद भ्रष्ट आचरण में लिप्त नेता या अफसर को कई-कई करोड़ रुपए नगद अपने घरों में छिपा कर रखने में कोई खौफ नहीं होता? लंबे समय से देश भर में काले धन के खिलाफ अभियान चल रहा है। जांच एजंसियां लगातार सक्रिय हैं। मगर तमाम कवायदों के बावजूद इस समस्या से पार पाना बड़ी चुनौती बनी हुई है। सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने झारखंड की राजधानी रांची में राज्य सरकार में मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव के घरेलू सहायक के घर छापेमारी की, जिसमें पैंतीस करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी बरामद हुई। खबर के मुताबिक, यह छापेमारी झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता से जुड़े मामले में हुई है, जिसे ईडी ने पिछले वर्ष धनशोधन के मामले में गिरफ्तार किया था। धनशोधन का सिरा मंत्री के निजी सचिव और उसके घरेलू सहायक से भी जुड़ा हुआ था, इसलिए ईडी ने उसे जांच और कार्रवाई के दायरे में लिया। सवाल है कि इतनी बड़ी रकम काले धन के रूप में किसी के घर में पड़ी थी, तो इस तरह का भ्रष्टाचार बिना किसी उच्च स्तरीय संरक्षण के चलना कैसे संभव है!

सवाल यह भी है कि भ्रष्टाचार और काले धन के खिलाफ अभियान चलाने और इसके खात्मे के लिए हर स्तर पर कार्रवाई करते हुए पिछले आठ-वर्षों में जितने वादे और दावे किए गए, उसके मुकाबले कामयाबी कहां दिखती है! आखिर क्या वजह है कि हर कुछ दिनों बाद किसी नेता या अधिकारी के घर या दफ्तर में छापे मारे जाते हैं, वहां से करोड़ों रुपए नगद बरामद होते हैं? समझना मुश्किल है कि जांच एजंसियों की सघन कार्रवाइयों के बीच दीवार फोड़ कर कहां से इतनी भारी मात्रा में नगदी निकल आती है? क्या वजह है कि काले धन पर काबू पाने के लिए बनाए गए कायदे-कानून को लेकर सख्ती के दावों के बावजूद भ्रष्ट आचरण में लिप्त नेता या अफसर को कई-कई करोड़ रुपए नगद अपने घरों में छिपा कर रखने में कोई खौफ नहीं होता? कहा जा सकता है कि सरकारी एजंसियां भ्रष्टाचार और काले धन की समस्या को खत्म करने को लेकर सक्रिय हैं। मगर यह भी सच है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ने और संबंधित महकमों या एजंसियों की अति-सक्रियता के बावजूद इस समस्या पर काबू पाना आज भी मुश्किल साबित हो रहा है।

इस वर्ष एक बार फिर बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे सुर्खियों में रहे। इसमें अच्छी और सुहानी लगने वाली बातों के समांतर अंकों और 'रैंक' को ही जीवन का सब कुछ समझने वाली आज की पीढ़ी के बीच से परीक्षा में असफलता के भय होने, ग्रेड या रैंक कम आने, अपने आपको माता-पिता और शिक्षकों की आशा के अनुरूप खरा साबित न होने पर आत्महत्या किए जाने की खबरें भी आईं। यह निश्चित ही बेहद चिंता का विषय है। परीक्षाओं के नतीजे आने के बाद बच्चों के बीच से आत्महत्या की घटनाएं आमतौर पर हर वर्ष देखने में आती हैं, पर इसका कुछ समाधान अभिभावक, शिक्षक और प्रशासन निकाल नहीं पाते हैं और न ही ऐसी स्थिति बनाई जाती है कि आज के बच्चे इस पर विचार करें कि कामयाबी अगर अच्छा है तो कम अंक या नाकामी खुद को बेहतर करने और अगली कामयाबी का रास्ता है।

दुनिया मेरे आगे : अंक नहीं जीवन, नंबर से नहीं, संकल्प से बनते हैं कैरियर

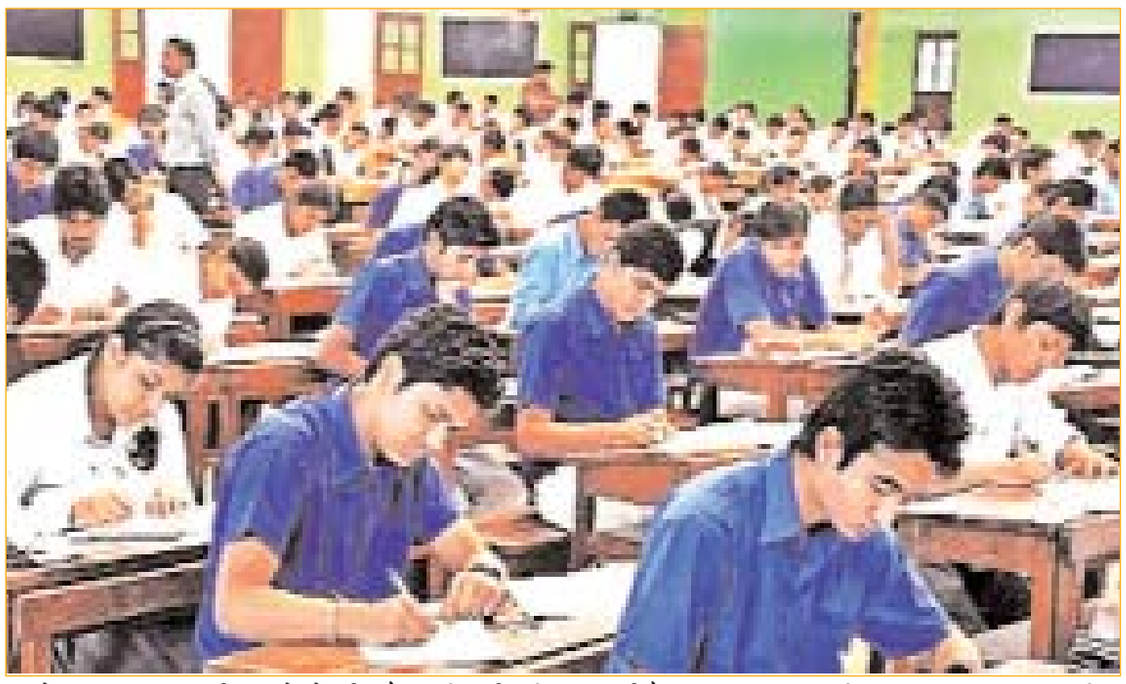

तमाम आंकड़े दर्शाते हैं कि आज के बच्चे किस तरह की महत्त्वाकांक्षा के शिकार हो गए हैं। उनके सपने बड़े हैं और उनके पूरे न होने पर वे मौत को गले लगाने में भी नहीं चूकते! सवाल है कि उनको समाज या स्कूल के स्तर पर इस तरह की सोच को गले लगाने की 'सीख' कहां से मिलती है? पढ़ें सुधा रानी तैलंग के विचार। इस वर्ष एक बार फिर बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे सुर्खियों में रहे। इसमें अच्छी और सुहानी लगने वाली बातों के समांतर अंकों और 'रैंक' को ही जीवन का सब कुछ समझने वाली आज की पीढ़ी के बीच से परीक्षा में असफलता के भय होने, ग्रेड या रैंक कम आने, अपने आपको माता-पिता और शिक्षकों की आशा के अनुरूप खरा साबित न होने पर आत्महत्या किए जाने की खबरें भी आईं। यह निश्चित ही बेहद चिंता का विषय है। परीक्षाओं के नतीजे आने के बाद बच्चों के बीच से आत्महत्या की घटनाएं आमतौर पर हर वर्ष देखने में आती हैं, पर इसका कुछ समाधान अभिभावक, शिक्षक और प्रशासन निकाल नहीं पाते हैं और न ही ऐसी स्थिति बनाई जाती है कि आज के बच्चे इस पर विचार करें कि कामयाबी अगर अच्छा है तो कम अंक या नाकामी खुद को बेहतर करने और अगली कामयाबी का रास्ता है। बच्चों को यह क्यों नहीं समझाया जा सकता है कि क्या जीवन का लक्ष्य केवल परीक्षा ही पास करना है! अगर अंक कम आ गए या नतीजे खराब रहे तो जीवन तो खत्म नहीं हो जाता। जीवन के मुकाम कुछ और करके भी हासिल किए जा सकते हैं। मगर भविष्य मानो स्कूली परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा अंकों के दायरे में ही कैद कर दिया जाता है और अभिभावक से लेकर विद्यार्थी तक इसी चक्र में अपना सोचना-समझना केंद्रित कर लेते हैं। इसके मनोवैज्ञानिक प्रभाव तो सामने आने ही हैं। देखा जाए तो आज के स्कूली शिक्षा के समूचे ढांचे में पढ़ाई से लेकर परीक्षा और नतीजे के बीच दिखावे की संस्कृति में बच्चों के अभिभावक ही ज्यादा जिम्मेदार नजर आते हैं, जो अपनी अधूरी महत्त्वाकांक्षाओं की भूख की वजह से बच्चों पर दबाव बनाते हैं कि वे नब्बे या सौ फीसद अंक नहीं लाएं। सबसे अव्वल आएं। वहीं स्कूलों में भी बच्चों पर दबाब बनाया जाता है। ऐसे में स्कूल की कक्षाओं के अलावा ट्यूशन, कोचिंग, परीक्षा के तनाव और बोझ के साथ इंटरनेट, टीवी के चक्रव्यूह में फंसे बच्चे दिग्भ्रमित हो जाते हैं। जबकि पढ़ाई के बाद बेहतर भविष्य बनाने के लिहाज से देखें तो उसमें अंकों के निर्धारण का कोई आकलन नहीं होता है। बढ़ती महत्त्वाकांक्षा के चलते बच्चे तीन घंटे की परीक्षा में पूरे साल की पढ़ाई का, अपनी योग्यता का सही प्रदर्शन नहीं कर पाते हैं। इस स्थिति की जटिलता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कहां एक समूचा व्यक्तित्व बनने के लिए बच्चे अपना जीवन-सफर शुरू करते हैं और फंस जाते हैं ज्यादा से ज्यादा नंबर लाने और अव्वल लाने की होड़ में। इस होड़ का हासिल यह है कि जिन बच्चों को पढ़ना, खेलना-कूदना और आनंद उठाना था, उनमें से कई पढ़ाई से उपजे तनाव और हताशा के चलते आत्महत्या करने से भी नहीं चूक रहे। दिखावे के अंको का छलावा बाल मन को लगातार आकर्षित कर रहा हैं। बच्चे बोर्ड परीक्षाओं के नतीजों को ही अपने जीवन की आधारशिला, अंतिम सच, करियर का सब कुछ मान बैठे हैं। जबकि यही अंतिम सच नहीं है। सच यह है कि अंकों का जीवन में कोई मूल्य नहीं हैं, क्योंकि अंकों या डिग्री से किसी की भी योग्यता का सही मूल्याकंन नहीं किया जा सकता। कितने ही आइएएस, कलेक्टर, खिलाड़ी, अभिनेता, गायक, कारोबारी, कलाकार, लेखक, साहित्यकार, वैज्ञानिक आदि में बेहद साधारण किस्म के विद्यार्थी रहे। वे पढ़ाई में कक्षा में अव्वल दर्जे में नहीं आए, फेल भी हुए, स्नातक, स्नातकोत्तर की डिग्री भी नहीं ली, फिर भी आगे जाकर वे अपने-अपने क्षेत्र में एक नया मुकाम हासिल कर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उनसे आज की पीढ़ी सीख ले तो वह भी अंकों से जीवन की हार-जीत को भूल कर करिअर को बनाने में अपनी प्रतिभा, योग्यता और रुचि के अनुसार पढ़ाई के अलावा खेल, गीत-संगीत, पेंटिंग, व्यवसाय, अभिनय, किसी दूसरे क्षेत्र में मुकाम हासिल कर सकती है। बच्चों को चाहिए कि वे असफलताओं से भी सीख लें। एक अच्छा और बेहतर इंसान बनने का प्रयास करें। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि लगातार मेहनत, धैर्य, आत्मविश्वास और संकल्प से सफलता हासिल की जा सकती हैं। अगर सफलता न भी मिले तो हिम्मत नहीं हारना चाहिए। दुबारा प्रयास करना चाहिए। बच्चे हंसें, खिलखिलाएं और अर्जुन की तरह लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहें, तो कभी न कभी सफलता जरूर हाथ लगेगी। ऐसे तमाम आंकड़े दर्शाते हैं कि आज के बच्चे किस तरह की महत्त्वाकांक्षा के शिकार हो गए हैं। उनके सपने बड़े हैं और उनके पूरे न होने पर वे मौत को गले लगाने में भी नहीं चूकते! सवाल है कि उनको समाज या स्कूल के स्तर पर इस तरह की सोच को गले लगाने की 'सीख' कहां से मिलती है? उनकी समय पर काउसिलिंग कराई जाए, सलाह दी जाए, शिक्षक, परिवार वाले उन्हें कुछ समझाएं तो बच्चे आत्महत्या करने के फैसले तक शायद नहीं पहुंचें। वहीं संयुक्त परिवारों के विघटन, कामकाजी माता-पिता के व्यस्त जीवन की दिनचर्या से बालमन एकाकी और उपेक्षित होता जा रहा हैं। प्रतिस्पर्धा के दौर में आगे बढ़ने की चाहत में आज अंकों और रैंक का खेल जीवन का खेल बन चुका हैं। इन आत्महत्याओं के बढ़ते ग्राफ का आखिर जिम्मेदार कौन है? आज की शिक्षा प्रणाली, प्रशासन, माता-पिता, सामाजिक परिवेश या आधुनिक संस्कृति। इस पर हमें निश्चित ही गंभीर चिंतन-मनन करना होगा।

गौतम बुद्ध ने एक भिक्षु को वेश्या के पास क्यों भेजा

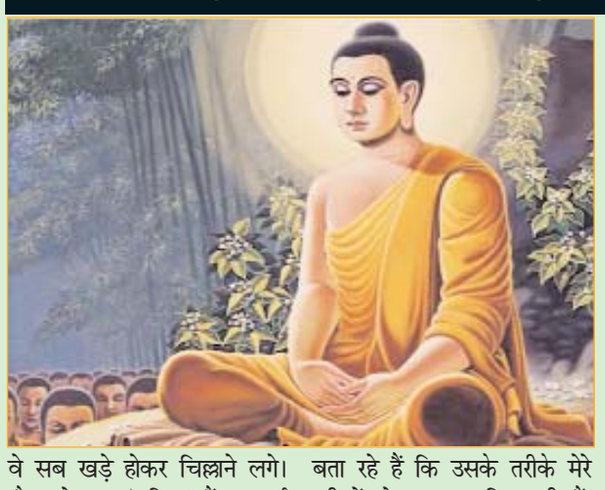

किसी मनुष्य में सत्य को खोजने की लालसा ऐसी चीज नहीं है, जिसे लोगों को सिखाया गया है. मानव बुद्धिमत्ता के लिए सर्वोच्च को खोजना स्वाभाविक बात है. गौतम बुद्ध ने एक बौद्ध भिक्षु को यह सीख देने के लिए एक वेश्या के पास भेज दिया था। गौतम बुद्ध अपने दौर में लगातार यात्रा करते रहते थे, और आम तौर पर उनके शिष्यों का एक बड़ा दल उनके साथ रहता था. रास्ते में,आम तौर पर भिक्षु कई घरों में आश्रय लिया करते थे. गौतम ने उनके लिए एक नियम बनाया था कि उन्हें किसी स्थान पर दो दिन से ज्यादा नहीं रहना चाहिए ताकि मेजबानों पर ज्यादा बोझ न पड़े. अन्यथा, दस लोगों को एक महीने तक घर में टिकाना ज्यादातर घरों के लिए बहुत कठिन होगा. यह बस एक दिन भी हो सकता है, लेकिन दो दिन की अनुमति थी क्योंकि वे लंबी दूरी चल रहे होंगे और सुस्ताने के लिए उन्हें थोड़ा समय चाहिए। हालांकि, गौतम ने कहा कि मानसून के समय वे एक जगह पर दो से ढाई महीने रुक सकते हैं, क्योंकि उस समय जंगल से होकर चलना जोखिम भरा हो सकता है और कई लोगों की जान जा सकती है. तो, वे एक बड़े नगर में रुकते थे और कई घरों में आश्रय लेते थे। मानसून के एक मौसम में, भिक्षु किसी नगर में लोगों से भिक्षा लेने के लिए बाहर गए. आनंद, जो भिक्षु बनने से पहले गौतम का बड़ा चचेरा भाई था, बाहर गया और उसने नगर में एक वेश्या से भिक्षा प्राप्त की. वेश्या ने उस पर नजर डाली और कहा,- वह एक सुंदर लंबा और सीधा युवक था- 'मैंने सुना है कि भिक्षु आश्रय की तलाश में हैं. तुम आकर मेरे घर में क्यों नहीं रहते?' आनंद ने कहा कि उसे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उसे बुद्ध से पूछना चाहिए कि उसे कहां रहना चाहिए. औरत ने उसे ताना मारते हुए कहा, 'ओह, तुम अपने गुरु से पूछने जा रहे हो? जाकर उनसे पूछो. देखते हैं कि वे क्या कहते हैं। आनंद ने दिन में जो कुछ इकट्ठा किया था उसे लाकर गौतम के चरणों में रख दिया और फिर पूछा, 'इस स्त्री ने मुझे आमंत्रित किया है. क्या मैं वहां रह सकता हूं?' गौतम ने कहा, 'अगर वह तुम्हें इतने स्नेह से आमंत्रित कर रही है, तो तुम्हें वहां जाकर रहना चाहिए.' जब उनके आस-पास इकट्ठा हुए नगर के लोगों ने यह सुना, तो शोर मच गया. उन्होंने कहा, 'एक भिक्षु किसी वेश्या के घर में कैसे रह सकता है? यह आध्यात्मिक प्रक्रिया भ्रष्ट हो गई है.' गौतम ने कहा, 'आप इतना चिंतित क्यों हैं? समस्या क्या है?' वे सब खड़े होकर चिल्लाने लगे। गौतम ने कहा, 'रुकिए! मैं इस मार्ग पर इसलिए हूं क्योंकि मैं देखता हूं कि यह जीने का सबसे शक्तिशाली तरीका है. लेकिन आप लोग मुझे बता रहे हैं कि उसके तरीके मेरे तरीकों से ज्यादा शक्तिशाली हैं. अगर यह सच है तो मुझे भी जाकर उसके साथ रहना चाहिए.' अगर आप सच्चे साधक हैं तो इसे वैसा ही होना चाहिए. अगर आप किसी को अधिक ऊंचा पाते हैं, तो आपको उसके लिए जाना चाहिए. फिर भी, कई लोग चिल्लाते रहे और उनमें से कई चले गए। आनंद जाकर वेश्या के घर में रहा. मानसून ऋतु होने के कारण, ठंड हो गई और भिक्षु पतले वस्त्र पहने था, तो वेश्या ने उसे ओढ़ने के लिए एक सुंदर रेशमी कपड़ा दे दिया. उसने खुद को उससे ढंक लिया. लोगों ने यह देखकर कहा, 'देखो, वह जा चुका है!' उसने अच्छा भोजन बनाया और भिक्षु को परोसा, और उसने खाया. शाम को, उसने भिक्षु के लिए नृत्य किया. उसने बैठकर बहुत सावधानी से, पूरी एकाग्रता से नृत्य को देखा. जब लोगों ने संगीत की आवाज सुनी तो उन्होंने कहा, 'बस यही बाकी था, वह खत्म हो गया है.' चीजें चलती रहीं. जब बरसात रुकी और जाने का समय आया, तो आनंद गौतम के पास आया... और उसके साथ एक स्त्री भिक्षु भी आई। किसी मनुष्य में सत्य को खोजने की लालसा ऐसी चीज नहीं है, जिसे लोगों को सिखाया गया है. मानव बुद्धिमत्ता के लिए सर्वोच्च को खोजना स्वाभाविक बात है. अभी, वे किसी चीज में फंसे हो सकते हैं - शराब, नशीली दवाएं, सामाजिक नाटक, या किसी दूसरे से बेहतर होना - लेकिन उनकी आकांक्षा सर्वोच्च के लिए है. हमें उन्हें बस इतना समझाना है कि बेहतर सर्वोच्च मौजूद हैं। कई साधु, संत, योगी, और गुरु ऐसा हमेशा से कर रहे हैं लेकिन वे अपने आस-पास के लोगों से ही बात कर सके. उनके समय में, उनमें से कइयों ने सिर्फ कृपा और ऊर्जा से असाधारण चीजें कीं, और अपने आस-पास लाखों लोगों को रूपांतरित किया और उन्हें सत्य के मार्ग पर लगाया। लेकिन अब ऐसा समय आया है, जहां हमारी संचार करने की क्षमता ऐसी है कि हम सत्य को हर दरवाजे से अंदर पहुंचा सकते हैं और हर किसी के मन और दिल पर दस्तक दे सकते हैं. ऐसा पहले कभी संभव नहीं था. सत्य की आकांक्षा और सत्य की खोज को धरती पर मुख्य ताकत बनाने के लिए यह अब तक का सबसे अच्छा युग है, क्योंकि हमारे पास ऐसे साधन हैं जो पहले किसी के पास नहीं थे. आइए इसे कर दिखाएं!

आंतरिक सुरक्षाः माओवादियों के अंत की तैयारी, 25 से अधिक मूलभूत सरकारी सुविधाएं; अब दूरी बनाने लगे हैं ग्रामीण

छत्तीसगढ़, झारखंड के जंगलों के बड़े हिस्से में एक तरह से माओवादियों का राज था और वहां उनसे लड़ना आसान नहीं था। जिन लोगों ने छत्तीसगढ़ के घने और विस्तृत जंगल नहीं देखे हैं, उन्हें यह बताना जरूरी है कि वहां माओवादियों की चप्पे-चप्पे पर नजर रहती है और उनके कैडर हर जगह पहुंचे रहते हैं। उन्हें हथियारों का भी बेहतर प्रशिक्षण दिया जाता है और घात लगाकर हमला करने में उन्हें महारत हासिल है। पिछले कुछ वर्षों से केंद्र सरकार ने माओवादियों पर लगाम कसनी शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने इनसे निपटने के लिए सुरक्षा बलों को न केवल आधुनिकतम हथियार देना शुरू किया है, बल्कि अन्य संसाधन भी। माओवादियों से निपटने में सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि राज्य सरकारें पर्याप्त मदद नहीं करतीं।

हाल ही में छत्तीसगढ़ के जंगलों में सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में हैरतअंगेज दृश्य सामने आया। कांकेर जिले में जबर्दस्त गोलीबारी में कुल 29 माओवादी मारे गए, जिनमें उनका सबसे बड़ा नेता 25 लाख रुपये का इनामी शंकर राव भी शामिल था। इस मुठभेड़ में माओवादी आधुनिक हथियारों जैसे, असॉल्ट राइफलों तथा ग्रेनेड लॉन्चरों से लैस थे। फिर भी सुरक्षा बलों ने बेहद आक्रामक ढंग से मुकाबला करते हुए उनका खात्मा किया। छत्तीसगढ़, झारखंड के जंगलों के बड़े हिस्से में एक तरह से माओवादियों का राज था और वहां उनसे लड़ना आसान नहीं था। जिन लोगों ने छत्तीसगढ़ के घने और विस्तृत जंगल नहीं देखे हैं, उन्हें यह बताना जरूरी है कि वहां माओवादियों की चप्पे-चप्पे पर नजर रहती है और उनके कैडर हर जगह पहुंचे रहते हैं। उन्हें हथियारों का भी बेहतर प्रशिक्षण दिया जाता है और घात लगाकर हमला करने में उन्हें महारत हासिल है। पिछले कुछ वर्षों से केंद्र सरकार ने माओवादियों पर लगाम कसनी शुरू कर दी है। गृह मंत्रालय ने इनसे निपटने के लिए सुरक्षा बलों को न केवल आधुनिकतम हथियार देना शुरू किया है, बल्कि अन्य संसाधन भी। माओवादियों से निपटने में सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि राज्य सरकारें पर्याप्त मदद नहीं करतीं। उन्हें लगता है कि ऐसी मुठभेड़ों से आम जनता भी चपेट में आ जाएगी, जो पूरी तरह से गलत भी नहीं है। लेकिन अब स्थिति बदलने लगी है और नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण पर ध्यान दिया जाने लगा है। इससे सरकार के प्रति जनता में अब कटता का भाव नहीं रहा है। उनकी सहानुभूति अब माओवादियों के साथ न होकर सुरक्षा बलों के साथ है। ताजा मामले में, गृह मंत्रालय ने इन उग्रवादियों की गतिविधियों पर अपने स्रोतों से नजर रखी और जब सूचना बिल्कुल पक्की हो गई, तो राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर बीनागुंडा और आसपास के इलाकों में ऑपरेशन चलाया। दिन में चलाए गए इस ऑपरेशन का लाभ यह हुआ कि सुरक्षा बलों को सभी कुछ साफ दिख रहा था और वे उन पर हावी हो गये। और बड़ी संख्या में माओवादियों को जान से हाथ धोना पड़ा। सुरक्षा बलों की आक्रामकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक चार महीने में लगभग 80 माओवादी मारे गए हैं और 125 से अधिक गिरफ्तार हुए हैं तथा 150 से अधिक ने आत्मसमर्पण किया है। यह केंद्र तथा राज्य सरकार के बीच सामंजस्य से संभव हुआ है। गृह मंत्रालय इस मामले में दृढ़ संकल्पित है कि माओवादियों से सख्ती से निपटना है, लेकिन बातचीत के रास्ते खुले हुए हैं। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में 2019 के बाद से 250 से भी ज्यादा सुरक्षा शिविर स्थापित किए गए हैं। इन माओवादियों के कारण राज्य का विकास रुक रहा है और जन जीवन प्रभावित हो रहा है। बस्तर जिले के सीधे-सादे आदिवासियों को डराकर ये माओवादी उनके बच्चों तक को अपने साथ ले जाते हैं और उन्हें कम उम्र से ही हथियारों की ट्रेनिंग देते हैं। साठ के दशक के उत्तरार्ध में बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से नक्सलवाद आंदोलन की शुरुआत हुई, जहां माओवादियों ने भूमिहीन किसानों के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर सशस्त्र आंदोलन किया, जिसका वहां की सरकार भी ठीक से जवाब नहीं दे पाई। इसी आंदोलन की तर्ज पर कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी लेनिन) ने छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, ओडिशा आदि में हिंसक आंदोलन किया। बंगाल के आंदोलन के विपरीत यहां सिद्धांतों की लड़ाई नहीं थी, बल्कि अपना वर्चस्व स्थापित करने की जिद है। इन माओवादियों के कैडर पैसे की वसूली करते हैं। खनन कार्य में लगी कंपनियों से मोटी रकम वसूली जा रही है। लेकिन अब समय बदलने लगा है और केंद्र सरकार माओवादियों से निपटने के लिए कमर कस चुकी है। छत्तीसगढ़ सरकार ने केंद्र के साथ मिलकर नक्सल प्रभावित जिलों के लिए नई योजनाएं भी बनाई हैं। इसके तहत उन्हें 25 से अधिक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीणों को आवास उपलब्ध कराने की बड़ी योजना पर काम हो रहा है। इस तरह के कल्याणकारी कार्यों से ग्रामीण माओवादियों से दूरी बनाने लगे हैं। हालांकि इस तरह के प्रयासों के कार्यान्वयन में वक्त लगेगा, लेकिन इस दिशा में यह एक बड़ी पहल है।

काबिलियत को शारीरिक बनावट के आधार पर प्रताड़ित करना किस हद तक जायज !

किंतु प्राची निगम को इस बात का अफसोस है कि काश उसके एक दो नम्बर कम आ जाते तो वो टॉप नहीं करती, और इस तरह की चर्चा का विषय नहीं बनती और ना ही अपने शरीर पर उपस्थित समान्य से अधिक वालों की वजह से उसे ट्रोल होना पड़ता। हां मैं उस बच्ची की हिम्मत को जरूर सजदा करना चाहूंगी, जिसको मंदबुद्धि लोगों ने ट्रोल करके, तंग करने की नाकाम कोशिश की। मैं नाकाम कोशिश कह रही हूँ, क्योंकि वो बच्ची एक वीडियो में अपनी पीड़ा और खुशी दोनों जाहिर कर रही थी।

(अंकलेश जाखड़)

प्राची निगम एक मध्यम वर्गीय परिवार की वो होनहार बेटी, जिसने यूपी बोर्ड टॉप किया है। आजकल अपनी काबिलियत और शारीरिक बनावट दोनों ही कारणों से चर्चा में है। एक तरफ़ विद्यार्थी जब किसी भी परीक्षा में टॉप करता है तो कुछ समय के लिए उसकी खुशी सातवें आसमान पर होती है। किंतु प्राची निगम को इस बात का अफसोस है कि काश उसके एक दो नम्बर कम आ जाते तो वो टॉप नहीं करती और इस तरह की चर्चा का विषय नहीं बनती और ना ही अपने शरीर पर उपस्थित समान्य से अधिक वालों की वजह से उसे ट्रोल होना पड़ता। हां मैं उस बच्ची की हिम्मत को जरूर सजदा करना चाहूँगी, जिसको मंदबुद्धि लोगों ने ट्रोल करके, तंग करने की नाकाम कोशिश की। मैं नाकाम कोशिश कह रही हूँ।

क्योंकि वो बच्ची एक वीडियो में अपनी पीड़ा और खुशी दोनों जाहिर कर रही थी। हां बच्ची के चेहरे पर काबिलियत रूपी आत्मविश्वास अवश्य ही था। जिसके सामने उसको तंग करने की कोशिश करने वाले बहुत ही बौने सिद्ध हो रहे हैं। प्राची की स्थिति के माध्यम से मेरे जहन में एक सवाल उठा जिसका उत्तर अथक प्रयास के बाद भी मुझे नहीं मिला। तो मैंने सोचा कि क्यों ना आप सब के माध्यम से जबाब खोजा जाए। आखिर क्यों एक लड़की से हर तरह की मानसिक और शारीरिक संपूर्णता की उम्मीद की जाती है? क्यों हमारी सोच इतनी संकीर्ण है कि हम प्राची जैसी अनेक बेटियों के सुखद और प्रगतिशील पहलू की महत्ता को कम करने की कोशिश करते हैं? क्या प्राची के शरीर के सामान्य से अधिक बाल होना उसकी इंसान होने की खूबी को कम करते है। या उसके इंसान होने के तथ्य पर सवालिया निशां है? व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए यह कतई मायने नहीं रखता है कि इंसान कैसा दिखता है, क्यों कि मैं गाँधी जी और नेल्सन मंडेला जैसी महान हस्तियों के बौद्धिक स्तर में विश्वास रखने वाली प्राणी हूँ। पर यह हमारे समाज कटु सत्य है कि लड़की का 21वीं सदी में भी केवल इंसान होना पर्याप्त नहीं है।

उसको इंसान होने से प्रमाणित करने के लिए, उसका सुंदर होना, सभ्य होना, मेहनती होना, जुबान होते हुए भी गूँगी होना, आर्थिक रूप से सक्षम होना और सहनशील होना आदि आधारभूत योग्यताएँ आवश्यक हैं। यहां एक और छोटा सा सवाल है जिसका उत्तर बहुत मुश्किल है। सवाल यह है कि क्यों हम लड़की या लड़का जैसे शब्दों में उलझे हुए हैं? आखिर हम सिर्फ़ और सिर्फ़ इंसान होने की धारणा को कब अपनायेंगें? मुझे अफसोस तब और अधिक होता है। जब हम बोलते हैं कि मेरे लिए बेटी और बेटा एक हैं तो फ़िर क्यों किसी और की बेटी सिर्फ़ एक लड़की है जिसमें जब चाहें, जैसे चाहें हम कमी निकाल देते हैं और अपनी मूर्खता और जड़ता में आंन्दित होते हैं। यदि हम किसी की परस्थिति को नहीं समझ सकते तो कम से कम एक इंसान होने के नाते, ऐसा कुछ नकरात्मक नहीं करें कि किसी की खुशी में भी खलल पड़े। यह लेख पढ़ते वक्त प्राची में अपने आप को देखे और महसूस करें उस स्तिथि को जिसमें बेटियाँ अपने आप को कितना असहज पाती हैं और मन ही मन लड़की होने पर अफसोस जाहिर करती हैं। कभी कभी तो भविष्य में होने वाली किसी अन्य नकरात्मक स्थिति से पहले से ही भयभीत होने लगती हैं।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया की नई जर्सी लॉन्च, नीले के साथ ऑरेंज कलर का कॉम्बिनेशन

नई दिल्ली। अगले महीने वेस्टइंडीज और यूएस में होने वाले टी20 वर्ल्डकप में टीम इंडिया नई जर्सी में नजर आएगी। टीम की ऑफिशियल किट स्पॉन्सर एडिडास ने सोमवार को सोशल मीडिया के जरिए नई जर्सी जारी की। नई डिजाइन की गई जर्सी नीले रंग की है। इसके साथ ऑरेंज कलर का कॉम्बिनेशन है। वहीं, वी-शेप्ड कॉलर पर तिरंगे के रंग हैं।

एडिडास ने सोशल मीडिया पर लॉन्च का वीडियो शेयर किया। वीडियो में कप्तान रोहित शर्मा के साथ कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा को भी दिखाया गया। यह वीडियो धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम का है।

टी-20 वर्ल्ड कप का यह 9वां एडिशन है। टीम इंडिया हर बार नई जर्सी में खेली है। 2007 में भारतीय टीम की जर्सी स्काय ब्लू कलर की थी। तब सहारा टीम का स्पॉन्सर था।

ऑस्ट्रेलिया ने हरे रंग की जर्सी लॉन्च की

ऑस्ट्रेलिया ने वर्ल्ड कप के लिए हरे रंग की जर्सी लॉन्च की, जोश हेज़लवुड ने कहा, जब आप ग्रीन और गोल्ड के बारे में सोचते हैं तो आप ऑस्ट्रेलिया के बारे में सोचते हैं।

टी-20 वर्ल्डकप के लिए भारतीय टीम में शिवम दुबे को जगह, गिल और रिंकू सिंह रिजर्व प्लेयर

2 जून से शुरू हो रहे टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की घोषणा 30 अप्रैल को कर दी गई है। टूर्नामेंट के लिए संजू सैमसन और ऋषभ पंत को विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है। पेस बॉलिंग ऑलराउंडर की कैटेगरी में हार्दिक पंड्या के साथ-साथ शिवम दुबे भी चुने गए हैं। शुभमन गिल और रिंकू सिंह मुख्य स्क्वॉड में जगह नहीं बना पाए हैं। ये ट्रैवलिंग रिजर्व का हिस्सा बनाए गए हैं।

टीम इंडिया पहला मुकाबला 5 जून को आयरलैंड से खेलेगी। टीम का दूसरा मुकाबला 9 जून को पाकिस्तान, 12 जून को तीसरा मुकाबला अमेरिका और 15 जून को चौथा मुकाबला कनाडा से होगा।

महिला टी-20 में भारत का बांग्लादेश पर जीत का चौका
भारत ने मुकाबला डकवर्थ लुईस मैथड से 56 रन से जीता

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ जीत का चौका लगाया। चौथा टी-20 बारिश से बाधित रहा, जिस वजह से मैच 14-14 ओवर का कर दिया गया। भारत ने यह मुकाबला डकवर्थ लुईस मैथड से 56 रन से जीता। इसके साथ ही पांच टी-20 मैचों की सीरीज में भारतीय महिला टीम ने 4-0 की बढ़त बना ली है।पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 6 विकेट पर 122 रन बनाए। उसकी ओर से प्लेयर ऑफ द मैच हरमनप्रीत ने 26 गेंदों पर 39 रन की पारी खेली। ऋचा घोष ने 24 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 14 ओवर में 68/7 का स्कोर ही बना सकी।

टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। ओपनर शेफाली वर्मा 4 स्कोर पर आउट हो गई। उन्होंने 4 गेंदों में केवल 2 रन ही बनाए। वहीं स्मृति मंधाना भी 18 गेंदों पर 22 रन बना कर लौट गई। वहीं हेमलता भी 14 गेंदों पर 22 रन बनाई।

कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऋचा घोष के बीच चौथे विकेट के लिए 44 रन की साझेदारी हुई। हरमनप्रीत कौर ने 39 और ऋचा घोष ने 24 रन बनाए।

लक्ष्य का पीछा नहीं कर सकी बांग्लादेश की टीम

लक्ष्य का पीछा करने उतरे बांग्लादेश की शुरुआत काफी धीमी रही और टीम पावरप्ले के चार ओवर में एक विकेट पर 21 रन ही बना सकी। टीम ने इस दौरान मुर्शीदा खातून (01) का विकेट गंवाया जिन्हें दीप्ति ने विकेटकीपर ऋचा के हाथों कैच कराया। दिलारा 25 गेंद में दो चौकों से 21 रन की धीमी पारी खेलने के बाद दीप्ति की गेंद पर एल्बीडब्ल्यू हो गई। एक गेंद बाद रूबिया भी रन आउट हो गई। शोभना ने कप्तान निगारा सुल्ताना (01) को एल्बीडब्ल्यू आउट किया जिससे चार गेंद के भीतर बांग्लादेश का स्कोर एक विकेट पर 38 रन से चार विकेट पर 39 रन हो गया। बांग्लादेश की टीम 14 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 68 रन ही बना सकी।

भारत की ओर से दीप्ति शर्मा और आशा शोभना ने 2-2 विकेट लिए। वहीं पूजा और राधा यादव को 1-1 विकेट मिले।

टी-20 वर्ल्ड कप में जायसवाल और दुबे टीम इंडिया के लिए तुरुप के इक्के साबित हो सकते - रवि शास्त्री

नई दिल्ली। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। वेस्टइंडीज और अमेरिका की धरती पर टीम इंडिया को आईसीसी ट्रॉफी दिलाने के लिए 15 खिलाड़ियों का चुनाव भी कर लिया गया है। सेलेक्टर्स ने कई अनुभवी प्लेयर्स पर भरोसा दिखाया है, तो कुछ युवा नामों पर भी दांव खेला है। इस बीच, भारत के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री ने उन दो खिलाड़ियों के नाम बताए हैं, जो इस मेगा इवेंट में टीम इंडिया के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकते हैं।

शास्त्री ने की भविष्यवाणी

रवि शास्त्री ने आईसीसी के शो पर बातचीत करते हुए बताया कि टी-20 वर्ल्ड कप 2024 में यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे टीम इंडिया के लिए तुरुप के इक्के साबित हो सकते हैं। शास्त्री ने कहा, दो जेंटलमैन पर आपको नजर रखनी होगी। यह दोनों ही बाएं हाथ के खिलाड़ी और अपना पहला ही वर्ल्ड कप खेल रहे हैं। एक यशस्वी जायसवाल हैं। हम उनके बारे में काफी कुछ जानते हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ कमाल का प्रदर्शन किया। टॉप ऑर्डर में वह तूफानी बल्लेबाजी करते हैं। वह युवा और निडर हैं और सभी शॉट्स खेलते हैं।

दुबे के मुरीद पूर्व हेड कोच

टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा, हालांकि, एक और खिलाड़ी है, जो मिडिल ऑर्डर में खेलेगा। उस पर भी नजर रखिएगा, क्योंकि वह तूफानी बल्लेबाजी करता है और वह मैच विनर है। वह फन के लिए छक्के लगाता है। स्पिन गेंदबाजी की बात आती है, तो वह आपको मार सकता है। यहां तक कि तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी उनसे अपने गेम पर काम किया है। मुझे लगता है कि नंबर पांच या छह की पोजीशन पर वो अहम प्लेयर रहेगा, क्योंकि जब आप मुश्किल में होते हैं, तो आपको एक ऐसा खिलाड़ी चाहिए, जो 20 से 25 गेंदों में मैच को पलट दे। शिवम दुबे वैसे ही प्लेयर हैं।

कमाल का रहा है आईपीएल सीजन

शिवम दुबे के लिए आईपीएल 2024 का सीजन अब तक कमाल का गुजरा है। इस सीजन शिवम ने 170.73 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए रन बटोरे हैं। शिवम 11 मैचों में 350 रन ठोक चुके हैं। बीच के ओवरों में शिवम इस साल लंबे-लंबे सिक्स जमाते हुए दिखाई दिए हैं।

गंभीर की वजह से निकल रहा है नरेन-रसेल का बेस्ट, इतिहास रचने की दहलीज पर कोलकाता नाइट राइडर्स

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स (चयक्र) का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है. केकेआर ने मौजूदा सीजन में अब तक 11 में से आठ मुकाबले जीते हैं और वह अंकतालिका में पहले नंबर पर है. पिछले दो सीजन में कोलकाता की टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई थी. मगर इस बार वह प्लेऑफ में पहुंचने की दहलीज पर है। कोलकाता नाइट राइडर्स आने वाले मैचों में यदि अच्छा प्रदर्शन करती है तो उसके पास टॉप पर रहते हुए प्लेऑफ में पहुंचने का मौका होगा. इससे पहले वह कभी भी टॉप पर रहते हुए प्लेऑफ में नहीं पहुंची है. साल 2012 और 2014 में केकेआर ग्रुप स्टेज में दूसरे स्थान पर रही थी और फिर आगे चलकर चैम्पियन बनी। कोलकाता नाइट राइडर्स के इस शानदार प्रदर्शन में कैरेबियाई धुरंधरों

सुनील नरेन और आंद्रे रसेल की अहम भूमिका रही है. नरेन ने फिल साल्ट के साथ मिलकर कोलकाता को ज्यादातर मुकाबलों में बल्ले से धमाकेदार शुरुआत दिलाई है. साथ ही नरेन ने गेंदबाजी में भी कमाल किया है. वहीं रसेल ने फिनिशर रोल निभाने के साथ-साथ गेंद से अहम मौकों पर सफलता दिलाई है। सुनील नरेन और फिल साल्ट की ओपनिंग जोड़ी ने मौजूदा सीजन में अब तक 11 पारियों में 50.27 की औसत 553 रन जोड़े हैं. इस दौरान पांच मौके पर इस जोड़ी ने अर्धशतकीय और एक बार शतकीय पार्टनरशिप (138) की. साल्ट-नरेन की जोड़ी केकेआर के लिए एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक बार पचास या उससे ज्यादा की साझेदारी करने वाली जोड़ी है. इस जोड़ी का रनरेट 12.56 रहा है जो उनकी तूफानी बैटिंग को बयां करता है.

आईपीएल 2024 में सुनील नरेन ने अब तक 41.90 के एवरेज और 183.66 की स्ट्राइक रेट से 461 रन बनाए हैं. इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और तीन अर्धशतक निकले. उनका बेस्ट स्कोर 109 रन है. गेंदबाजी की बात करें तो नरेन ने 11 पारियों में 6.61 की इकोनॉमी रेट से 14 विकेट लिए. वहीं आंद्रे रसेल ने 11 पारियों में 10.16 की इकोनॉमी रेट से 13 विकेट लिए हैं. साथ ही रसेल ने 186.79 की स्ट्राइक रेट से 198 रन बनाए हैं.

18 मई को भी खुलेगा शेयर बाजार शनिवार को दो स्पेशल ट्रेडिंग सेशन होंगे

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने मई (मंगलवार) को ऐलान किया कि 18 मई 2024 यानी शनिवार को छुट्टी के दिन भी बाजार ओपन रहेगा। इस दौरान दो स्पेशल लाइव ट्रेडिंग सेशन होंगे। डिजास्टर रिकवरी साइट को टेस्ट करने के लिए ऐसा किया जा रहा है।

स्टॉक एक्सचेंज ने बताया कि इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट में प्राइमरी साइट से डिजास्टर रिकवरी साइट पर इंट्रा-डे स्विच के साथ यह स्पेशल लाइव ट्रेडिंग सेशन आयोजित किया जाएगा। ऐसा करके प्राइमरी साइट के मेजर डिसरप्शन और फेल्योर को हैंडल करने के लिए तैयारियों की जांच की जाएगी। स्पेशल लाइव ट्रेडिंग सेशन में प्राइमरी साइट से डिजास्टर रिकवरी साइट पर इंट्रा-डे स्विच होगा।

डिजास्टर रिकवरी साइट का इस्तेमाल सबसे रीसेंट बैकअप से डेटा रिकवर करने के लिए किया जाता है। यदि प्राइमरी लोकेशन और उसके सिस्टम किसी अप्रत्याशित घटना के कारण फेल हो जाते हैं तो रिकवरी साइट पर स्विच किया जा सकता है। एक्सचेंज जैसे सभी क्रिटिकल इंस्टीट्यूशन के लिए एक ष्ठक्र साइट आवश्यक है, ताकि यदि कोई खराबी मुंबई में मैन ट्रेडिंग सेंटर के कामकाज को प्रभावित करती है, तो ऑपरेशन को बिना किसी रुकावट के अच्छे से किया जा सके। यह सेशन दो फेज में आयोजित किया जाएगा। पहला फेज - 45 मिनट का सेशन होगा जो सुबह 9:15 बजे शुरू और 10 बजे खत्म होगा। दूसरा स्पेशल लाइव ट्रेडिंग सेशन सुबह 11:45 बजे शुरू होगा और दोपहर 12:40 बजे समाप्त होगा।

स्पेशल ट्रेडिंग सेशन के दौरान सभी फ्यूचर एंड ऑप्शन कॉन्ट्रैक्ट वाले शेयरों सहित सिक्योरिटीज में अपर और लोअर सर्किट लिमिट 5जी होगी। यानी,

शेयरों में इस सीमा के भीतर ही उतार-चढ़ाव होगा। वहीं जो स्टॉक पहले से ही 2त्न बैंड में हैं, वे इसी बैंड में बने रहेंगे। यह उपाय अत्यधिक अस्थिरता को रोकता है और ड्रिल यानी टेस्टिंग के दौरान बाजार में स्थिरता बनाए रखता है।

सेंसेक्स 383 अंक गिरकर 73,511 के स्तर पर बंद हुआ

शेयर बाजार में 7 मई को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 383 अंक की गिरावट के साथ 73,511 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 140 अंक की गिरावट रही, ये 22,302 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में बढ़त देखने को मिली है। पावर, बैंकिंग और मेटल शेयर्स में ज्यादा गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में आज 5.20 प्रतिशत की बढ़त रही।

यूपीआई से ट्रांजैक्शन एक साल में 50 प्रतिशत बढ़ा, अप्रैल में 1,330 करोड़ लेनदेन हुए

नई दिल्ली। अप्रैल 2024 में 1,330 करोड़ यूपीआई ट्रांजैक्शन हुआ। इस दौरान टोटल 19.64 लाख करोड़ की राशि ट्रांसफर की गई। ट्रांजैक्शन की संख्या में सालाना आधार पर 50.11 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

वहीं, इसके जरिए ट्रांसफर की जाने वाली राशि में 38.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। एक साल पहले यानी अप्रैल 2023 में 886 करोड़ ट्रांजैक्शन के जरिए 14.16 लाख करोड़ रूपए का लेनदेन हुआ था।

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस से मार्च में ट्रांजैक्शन का नया रिकॉर्ड बना था। इस दौरान एक महीने में सबसे ज्यादा 1,344 करोड़ ट्रांजैक्शन के जरिए 19.78 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ था। वहीं, पूरे वित्त वर्ष यानी अप्रैल 2023 से मार्च 2024 के

दौरान 13,068 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शन हुए। इन ट्रांजैक्शनसंस के जरिए लोगों ने 199.95 लाख करोड़ का लेनदेन किया। यह वित्त वर्ष 2022-23 के मुकाबले 43.68 प्रतिशत ज्यादा है।

यूपीआई सर्विस के लिए आपको एक वर्चुअल पेमेंट एड्रेस तैयार करना होता है। इसके बाद इसे बैंक अकाउंट से लिंक करना होगा।

इसके बाद आपका बैंक अकाउंट नंबर, बैंक का नाम या आईएफएससी कोड आदि याद रखने की जरूरत नहीं होती। पेमेंट करने वाला बस आपके मोबाइल नंबर के हिसाब से पेमेंट रिक्वेस्ट प्रोसेस करता है।

अगर, आपके पास उसका यूपीआई आईडी (ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर या आधार नंबर) है तो आप अपने स्मार्टफोन के जरिए आसानी से पैसा भेज सकते हैं। न सिर्फ पैसा बल्कि यूटिलिटी बिल पेमेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, खरीदारी आदि के लिए नेट बैंकिंग, क्रेडिट या डेबिट कार्ड भी जरूरत नहीं होगी। ये सभी काम आप यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस सिस्टम से कर सकते हैं।

अडाणी ग्रीन एनर्जी श्रीलंका में दो विंड पावर स्टेशन बनाएगी
20 साल के लिए पावर परचेज एग्रीमेंट पर साइन किया

नई दिल्ली। श्रीलंका की सरकार ने मंगलवार को गौतम अडाणी की रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी के साथ देश में विंड पॉवर स्टेशन डेवलप करने की मंजूरी दी है। श्रीलंका के मन्नार और पूनरीन में अडाणी ग्रीन एनर्जी विंड पॉवर स्टेशन यानी पवन ऊर्जा स्टेशन बनाएगी। दोनों पक्षों ने 20 साल के पावर परचेज एग्रीमेंट पर साइन किया है। श्रीलंका की सरकार ने कहा कि एग्रीमेंट के मुताबिक कंपनी को 8.26 सेंट प्रति किलोवाट-घंटे का भुगतान किया जाएगा। इससे पहले पिछले साल फरवरी में अडाणी ग्रीन एनर्जी को मन्नार शहर और पूनरीन गांव में 484 मेगावाट के विंड पावर प्लांट को डेवलप करने के लिए मंजूरी मिली थी। इसके लिए कंपनी 442 मिलियन

डॉलर (करीब 367 करोड़) निवेश करने वाली है। ये दोनों जगहें श्रीलंका के उत्तरी प्रांत में हैं।

साल 2022 में श्रीलंका ने बिजली संकट और ईंधन की कमी का सामना किया

साल 2022 में श्रीलंका ने आर्थिक संकट के दौरान गंभीर बिजली संकट और ईंधन की कमी का सामना किया। इंपोर्ट किए जाने वाले ईंधन की लागत से बचने के लिए श्रीलंका अब रिन्यूएबल एनर्जी प्रोजेक्ट्स में तेजी ला रहा है।

जनवरी-मार्च तिमाही में अडाणी ग्रीन एनर्जी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट यानी शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 39 प्रतिशत घटकर ?310 करोड़ रहा। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का कंसॉलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 507 करोड़ रहा था। वहीं पिछली तिमाही में यह 256 करोड़ रहा था। यानी तिमाही आधार पर कंपनी का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट 21.09 प्रशितात बढ़ा है। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने 3 मई को QyFY24 यानी फाइनेंशियल ईयर 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए थे।

सेंसेक्स 383 अंक गिरकर 73,511 पर बंद, निफ्टी में भी 140 अंक की गिरावट रही

नई दिल्ली। शेयर बाजार में आज यानी 7 मई को गिरावट देखने को मिली है। सेंसेक्स 383 अंक की गिरावट के साथ 73,511 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 140 अंक की गिरावट रही, ये 22,302 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में गिरावट और 11 में बढ़त देखने को मिली है। आज पावर, बैंकिंग और मेटल शेयर्स में ज्यादा गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर में आज 5.20 प्रतिशत की बढ़त रही।

इंडेजीन लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीओ पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 6 मई से ओपन हो गया है। रिटेल निवेशक इस आईपीओ के लिए 6 मई से 8 मई तक बोली लगा सकेंगे। 13 मई को कंपनी के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

इंडेजीन लिमिटेड ने इस इश्यू का प्राइस बैंड ?430-?452 तय किया है। रिटेल निवेशक मिनिमम एक लॉट यानी 33 शेयर्स के लिए बिडिंग कर सकते हैं। यदि आप आईपीओ के अपर प्राइज बैंड ?452 के हिसाब से 1 लॉट के लिए अप्लाय करते हैं, तो इसके लिए मिनिमम ?14,916 इन्वेस्ट करने होंगे।

वहीं, मैक्सिमम 13 लॉट यानी 429 शेयर्स के लिए रिटेल निवेशक अप्लाय कर सकते हैं। इसके लिए निवेशकों को अपर प्राइज बैंड के हिसाब से 193,908 इन्वेस्ट करने होंगे।

इससे पहले 6 मई को शेयर बाजार में सपाट कारोबार देखने को मिला था। सेंसेक्स 17 अंक की तेजी के साथ 73,895 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं, निफ्टी में 33 अंक की गिरावट रही, ये 22,442 के स्तर पर बंद हुआ था।

इंदौर को मतदान में नम्बर वन बनाने के लिए एक बार फिर दिव्यांगजन आगे आये

- सभी आयु वर्ग के मतदाताओं को मतदान के प्रति आकर्षित करने के लिए दिव्यांगजनों ने प्रस्तुत किये रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

इन्दौर। इंदौर जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के लिए नये-नये रोचक प्रयास किये जा रहे है। इन जागरूकता कार्यक्रमों में शहर के दिव्यांगजन बढ-चढकर हिस्सा ले रहे है। मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए तिपहिया वाहनों की प्रभावी रैली के बाद दिव्यांगजनों ने नाट्य और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करतु हुए रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। स्थानीय रविन्द्र नाट्य गृह में आज सम्पन्न हुये इस कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग के युगपुरूष धाम बौद्धिक विकास केन्द्र, संवेदना बौद्धिक विकास केन्द्र, अनुभूति सेवा विजन समिति, निःशक्तजन आधार वेलफेयर सोसायटी आसरा, अरूणाभ संस्था तथा शासकीय दिव्यांग गृह इंदौर के दिव्यांगजनों ने पूरे उत्साह के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये।

उक्त आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह की पहल पर किया गया। कार्यक्रम स्थल पर अरूणाभ संस्था के बौद्धिक दिव्यांग बच्चों द्वारा संचालित किये गये कैफे से कार्यक्रम में आये हुये सभी संस्था के बच्चों, शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों ने स्वल्पाहार का आनन्द लिया। इस अवसर पर सीईओ स्मार्ट सिटी एवं स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी श्री दिव्यांक सिंह ने इंदौर जिले को मतदान में भी नम्बर वन बनाने के लिए मतदान दिवस 13 मई को अपने मताधिकार का उपयोग करने के लिए मतदान की शपथ दिलाई। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, सामाजिक न्याय विभाग एवं स्मार्ट सिटी इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में शहर के दिव्यांगजनों ने उपस्थित सभी नागरिकों को एक बार भी पूरे उत्साह के साथ मतदान करने का संदेश दिया।

बुजुर्ग भी रहे मतदान में आगे

श्योपुर, लोकसभा निर्वाचन के तहत 80 प्लस वोटर ने भी उत्साहपूर्वक मतदान में भाग लिया। पुराने सामान्य वन मंडल कार्यालय श्योपुर स्थित मतदान केन्द्र पर बालापुरा निवासी बुजुर्ग मुस्तफा द्वारा मतदान किया गया। इसी प्रकार मतदान केन्द्र क्रमांक 170 शासकीय माध्यमिक विद्यालय नागदा रोड वार्ड नंबर 10 पर बुजुर्ग मतदाताओं द्वारा मतदान कर लोकतंत्र की प्रक्रिया में भागीदारी की गई। इस अवसर पर तहसीलदार श्रीमती प्रेमलता पाल भी मौजूद रही। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा बुजुर्ग एवं दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हीलचेयर, रैम्प आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी।

कलेक्टर-एसपी ने चैनपुरा में डाला वोट

श्योपुर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार जांगिड तथा पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद द्वारा श्योपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्र. 97 शासकीय माध्यमिक विद्यालय चैनपुरा बगवाज पहुंचकर अपने वोट डाले। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड कलेक्ट्रेट कार्यालय से सुबह 7 बजे मतदान करने के लिए मतदान केन्द्र पहुंचे तथा मतदान केन्द्र पर पहुंचकर अपना वोट डाला। पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद भी दोपहर के समय मतदान केन्द्र पर मतदान करने पहुंचे तथा बूथ क्रमांक 97 पर वोट डाला। कलेक्टर एवं एसपी ने वोट डालकर अपने बाए हाथ की अंगुली में लगे अमिट स्याही के निशान को दिखाकर जिलेवासियों से रिकार्ड तोड मतदान की अपील की गई। इस अवसर पर मतदान केन्द्र के बीएलओ वीरेन्द्र शर्मा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने सपरिवार किया मतदान

श्योपुर, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ अनुज कुमार रोहतगी द्वारा सपरिवार मतदान केन्द्र पर पहुंचकर मतदान किया गया। लोकसभा निर्वाचन के तहत अपर कलेक्टर डॉ रोहतगी श्योपुर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केन्द्र क्र. 97 शासकीय माध्यमिक विद्यालय चैनपुरा बगवाज पहुंचे तथा परिवार सहित अपना वोट डाला।

सीईओ जिला पंचायत ने सलापुरा में, एसडीएम ने बगवाज में डाला वोट

श्योपुर, सीईओ जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल अतेन्द्र सिंह गुर्जर द्वारा इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट ईडीसी के माध्यम से कलारना पंचायत के सलापुरा मतदान केन्द्र पर मतदान किया गया। एसडीएम श्योपुर मनोज गढवाल, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन एवं तहसीलदार श्रीमती प्रेमलता पाल ने चैनपुरा बगवाज स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 97 पर मतदान किया।

युवा वोटरो में दिखाई दिया उत्साह

श्योपुर, लोकसभा निर्वाचन के तहत 18 प्लस वोटर में मतदान को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा गया। शासकीय पीजी कॉलेज श्योपुर में स्थित मतदान केन्द्र 174 पर युवा वोटर आकाश राठौर, धर्मेन्द्र प्रजापति, शंशाक श्रीवास्तव, लोकेन्द्र जोनवार ने उत्साह के साथ मतदान में भाग लिया। इस अवसर पर युवा वोटर्स ने अमिट स्याही का निशान दिखाते हुए युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने का आव्हान किया गया।

नव मतदाता भी जोश के साथ पहुंचे वोट डालने

लोकसभा निर्वाचन के तहत इसी साल पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत नव मतदाता बने युवा भी जोश के साथ अपना वोट डालने के लिए मतदान केन्द्र पहुंचे। शासकीय हायर सैकेण्डरी स्कूल श्योपुर स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 199 पर नव मतदाता दक्षिता शर्मा, यथ शर्मा एवं देवाशुं शर्मा निवासी नौग्रह का मंदिर श्योपुर द्वारा अपना वोट डाला गया तथा निर्वाचन आयोग से मिले कलरफुल एवं आकर्षक ईपिक कार्ड को दिखाते हुए मतदान किया।

गर्मी के मौसम में बिजली बिल को नियंत्रित करने हेतु आसान उपाय एवं जानकारी

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं से कहा कि वे गर्मी के मौसम में बिजली बिल नियंत्रित रखने के लिए दिए जा रहे आसान उपाय और जानकारियां अपनाकर बिजली और बिल की राशि दोनों में बचत कर सकते हैं। दिन में सूर्य के प्रकाश का अधिकतम उपयोग करें तथा गैर-जरूरी पंखे, लाईट इत्यादि उपकरणों को बंद रखें। विशेषतः कार्यालयीन समय में भोजनावकाश के दौरान, घर से बाहर एवं कक्ष से बाहर जाते समय, ध्यानपूर्वक समस्त प्रकाश, पंखे एवं कंप्यूटर मॉनिटर इत्यादि को बंद करें चाहे आप थोड़े समय के लिए ही क्यों न बाहर जा रहे हों। अपने साथियों, सहकर्मियों, अधीनस्थ कर्मचारियों एवं परिवार को प्रोत्साहित करें कि वे दिन के समय विद्युत का कम से कम उपयोग करें। घरों में उपयोग होने वाले उपकरणों का प्रयोग यथासंभव एक साथ न करें क्योंकि ऐसा करने से घर की वायरिंग में विद्युत क्षति बढ़ जाती है। वार्षिक विद्युत खपत का लगभग 9 प्रतिशत केवल प्रकाश व्यवस्था पर खर्च होता है। अतः विद्युत का उपयोग अति आवश्यक अवसरों पर करने पर विद्युत खर्च में लगभग 20 प्रतिशत की कमी की जा सकती है। ब्यूरो आफ एनर्जी इफिशिएंसी द्वारा प्रमाणित कम से कम तीन सितारा चिन्हित ऊर्जा दक्ष उपकरणों का क्रय करने से ऊर्जा खपत कम की जा सकती है। अप्रमाणित उपकरण क्रय करते समय सस्ते हो सकते हैं किंतु इनमें बिजली खपत अधिक होती है एवं कुछ अंतराल

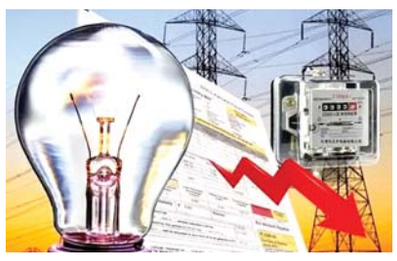

के पश्चात् ये महंगे साबित होते हैं। इलेक्ट्रानिक उपकरण जैसे टी.वी. को स्टैण्डबाई मोड पर न रखने से 1 वर्ष में लगभग 70 यूनिट विद्युत की बचत हो सकती है।

कम्प्यूटर - कम्प्यूटर के मानिटर एवं कापीअर्स को स्लीप मोड में रखने से लगभग 40 प्रतिशत ऊर्जा की बचत होती है। एलईडी मॉनिटर का प्रयोग करें यह पारंपरिक सी.आर.टी. मॉनिटर की तुलना में कम ऊर्जा खर्च करता है। यदि कम्प्यूटर को चालू रखना आवश्यक हो तो मॉनिटर अवश्य बंद रखें जो कि कुल ऊर्जा का 50 प्रतिशत से अधिक खर्च करता है। यदि एक कम्प्यूटर 24 घंटे चालू रखा जाए तो यह एक ऊर्जा दक्ष फ्रिज से अधिक विद्युत खर्च करता है। अतः उपयोग न होने पर कम्प्यूटर बंद रखें।

एलईडी बल्ब - वर्तमान में एलईडी बल्ब ऊर्जा बचत हेतु अतिउत्तम विकल्प है क्योंकि इनका उपयोग करके हम बिजली की बचत कर सकते हैं। एलईडी बल्ब बार-बार चालू/बंद करने से उनकी उम्र पर असर नहीं पड़ता है जबकि साधारण बल्ब जल्दी ही फ्यूज हो जाता है। एक 40 वाट के साधारण बल्ब के प्रकाश के बराबर के प्रकाश के लिए 4 से 5 वाट क्षमता के एलईडी बल्ब की आवश्यकता होती है। एलईडी बल्ब परंपरागत बल्ब की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक प्रकाश देते हैं एवं इनकी टिकाऊ होने की अवधि सामान्य बल्ब की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक है। यह कम ऊर्जा ग्रहण करते हैं और ज्यादा गर्म भी नहीं होते हैं।

रूफ टाप सोलर पैनल - सौर ऊर्जा मिशन के अंतर्गत भारत सरकार के गैर-परम्परागत ऊर्जा मंत्रालय द्वारा 10 कि.वा. से 500 कि.वा. के रूफ टाप सोलर पैनल लगाए जा रहे हैं। के.डब्ल्यू. रूफ टाप पैनल के लिए सामान्यतः 100 वर्गफुट छत की आवश्यकता होती है।

कलेक्टर ने किया मतदान केन्द्रों का भ्रमण

सुबह शहर के मतदान केन्द्र देखे, शाम को ग्रामीण क्षेत्रो का लिया जायजा

श्योपुर, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार जांगिड द्वारा लोकसभा निर्वाचन के तहत मतदान प्रक्रिया शुरू होने के तत्काल बाद विभिन्न मतदान केन्द्रों पर पहुंचकर मतदान का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने पुराना फोरेस्ट कार्यालय, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, महाराष्ट्र समाज धर्मशाला, प्राथमिक शाला भवन किला परिसर सहित अन्य मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया तथा मतदान प्रक्रिया का जायजा लिया गया। इसके उपरांत शाम के समय उन्होंने हाई स्कूल रायपुरा स्थित मतदान केन्द्र क्रमांक 101, सोईकलां स्कूल स्थित मतदान केन्द्र क्र 80 एवं 81, शासकीय प्राथमिक विद्यालय बगडुआ मतदान केन्द्र क्र. 60 तथा ग्राम पंचायत भवन ज्वालापुर स्थित मतदान केन्द्र क्र. 88 का अवलोकन किया गया।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार जांगिड द्वारा मतदान केन्द्रो के भ्रमण के दौरान मतदाताओं के लिए की गई व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का अवलोकन किया गया। उल्लेखनीय है कि जिलेभर के मतदान केन्द्रो पर जिला प्रशासन द्वारा मतदाताओं के लिए छाया, पानी तथा बैठने के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी, मतदान केन्द्रो को आकर्षक रूप में सजाते हुए बाहर परिसर में टेन्ट लगाये गये थे।

सागर संसदीय क्षेत्र में 65.73 प्रतिशत मतदान तेज गर्मी में भी मतदाताओं में दिखा उत्साह

मतदान केन्द्रों पर लगी रहीं लंबी कतारें कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुआ मतदान कमिश्नर, आईजी, कलेक्टर, एसपी सहित सभी एआरओ रहे भ्रमण पर

सागर। लोकसभा निर्वाचन के तृतीय चरण में आज सागर संसदीय क्षेत्र में शामिल बीना, खुरई, सुरखी, नरयावली, सागर, कुरवाई, सिरोंज और शमशाबाद में 65.73 प्रतिशत मतदान हुआ। सागर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत सागर जिले के विधानसभा क्षेत्र बीना में 64.52 प्रतिषत, खुरई में 67.89 प्रतिशत, सुरखी में 67.03 प्रतिशत, नरयावली में 59.96 प्रतिशत, सागर में 58.21 प्रतिशत तथा विदिशा जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र क्रमषः कुरवाई में 70.43 प्रतिशत, सिरोंज में 70.07 प्रतिशत तथा शमशाबाद में 67.56 प्रतिशत मतदान हुआ।

सागर के पांचो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में जिला प्रशासन और पुलिस की बेहतर व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण रूप से मतदान संपन्न हुआ। मतदान के दौरान बुजुर्ग, युवा, महिला, दिव्यांग मतदाताओं ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ अपने मताधिकार का उपयोग किया। लोगों ने निर्भीक होकर अपना कर्तव्य निभाया। प्रातः 5:30 बजे मतदान दल के द्वारा मॉक पोल की प्रक्रिया संपन्न कराई गई और प्रातः 7:00 से मतदान केंद्रों में मतदान शुरू हुआ जो शाम 6:00 बजे तक चला।

सागर संसदीय क्षेत्र के मतदान केंद्रों में सुबह से ही मतदाताओं की लंबी कतारें देखी गई। भीषण गर्मी होने के बावजूद भी लोग मतदान केंद्र पहुंचे। लोकसभा निर्वाचन के लिए मतदाताओं ने पूरे उत्साह के साथ अपना फर्ज निभाते हुए मतदान किया। इस दौरान कुछ ऐसे युवक जिनका विवाह होने वाला है, वे भी हल्दी की रस्म के बाद मतदान केंद्र पहुंचे तथा अपने मत का उपयोग किया और दूसरों से भी मतदान की अपील की।

सागर जिले के बीना, खुरई, सुरखी, नरयावली, सागर निर्वाचन क्षेत्र में शांतिपूर्ण रूप से मतदान संपन्न करने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। सागर जिले के 5 विधानसभा क्षेत्र बीना, खुरई, सुरखी, नरयावली, सागर एवं विदिशा जिले के 3 विधानसभा क्षेत्र कुरवाई, सिरोंज, शमशाबाद के कुल 2077 मतदान केन्द्रों पर मतदान किया गया। बहुत से मतदान केन्द्रों पर आकर्षक साज-सज्जा भी की गई। मतदाताओं की सुविधा हेतु ठंडे पानी, छाया और आवष्यकता पडने पर दवाईयों की व्यवस्था भी की गई थी। इन सभी मतदान केन्द्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। पूरे संसदीय क्षेत्र में करीब 4500 पुलिसकर्मी कर्मियों ने मोर्चा संभाला। इनमें प्रथम श्रेणी के पुलिस अधिकारी से लेकर पुलिस के जवान तक शामिल रहे। पुलिस कर्मियों के अलावा सीआरपीएफ की तीन कंपनी, एसएएफ की दो कंपनी तथा क्यूआरएफ का भी एक दल लगाया गया था। इसके अलावा स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स के जवान भी तैनात रहे। 950 संवेदनशील मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग के माध्यम से भी नजर रखी गई। सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस बल समय समय पर क्षेत्र का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे। सभी पांचो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की प्रवेश सीमा में वाहनों की तलाशी भी लगातार जारी रही। मतदान के दौरान संभाग आयुक्त डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत और आईजी प्रमोद वर्मा भी लगातार मतदान केंद्रों का निरीक्षण करते रहे। उन्होंने मालथौन के अनेक मतदान केन्द्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा। बाद में वे यूपी से जुड़ने वाली अंतर्राज्यीय सीमा पर भी गये और सीमा पर स्थापित नाकों को भी चैक किया।

इसी प्रकार कलेक्टर श्री दीपक आर्य और पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक तिवारी भी लगातार पांचो विधानसभा क्षेत्र के भ्रमण पर रहे। वे विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहुंचकर मतदान दल तथा वहां सुरक्षा के लिए तैनात पुलिस बल से भी जानकारी लेते रहे। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने मतदान दलों में तैनात कर्मचारियों से भी व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा लाईन में लगें मतदाताओं से भी चर्चा की।

पुलिस अधीक्षक द्वारा मतदान केन्द्रों का भ्रमण

श्योपुर, पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद द्वारा लोकसभा निर्वाचन के तहत जहां सभी मतदान केन्द्रो पर पुलिस अधिकारियों के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निगरानी रखी गई, वही उन्होंने श्योपुर, आवदा एवं बडौदा क्षेत्र के मतदान केन्द्रों का भ्रमण भी किया। इस दौरान उन्होने आवदा क्षेत्र के मतदान केन्द्र सहित राडेप, पाण्डोला, ढेगदा के मतदान केन्द्रो पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। उन्होंने नहर नागदा रोड पर स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय के मतदान केन्द्रो का भी निरीक्षण किया।

हल्दी लगाए दूल्हा पहुंचा मतदान करने मतदाताओं से भी वोट डालने की अपील की

सागर। सागर लोकसभा सीट पर मतदान को लेकर मतदाताओं में काफी उत्साह नजर आया। वहीं गर्मी के चलते सुबह से ही मतदान केन्द्रों पर बड़ी संख्या में लोग नजर आये। सागर जिले के सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गेंहूरास बुजुर्ग के आदर्श मतदान केंद्र 177 में हल्दी लगवाकर एक दूल्हा मतदान करने पहुंचा और मतदान किया। गेंहूरास बुजुर्ग के सुधांशु अहिरवार की शादी 8 मई को है। परिवार ने आज सुबह हल्दी रस्म निभाई। रस्म के बाद वे मतदान केंद्र पहुंचे और वोट डालकर अपना फर्ज निभाया और मतदाताओं से भी वोट डालने की अपील की।

उल्लेखनीय है कि सुरखी विधानसभा के जैसीनगर विकासखंड अंतर्गत गेहूंरास बुजुर्ग के शासकीय हाई स्कूल के मतदान केंद्र क्रमांक 177 को आदर्श मतदान केंद्र बनाया था। गर्मी को देखते हुए मतदान केंद्र में छाया के लिए शादी समारोह जैसा टेंट लगाया गया था।

यहां आंगनवाड़ी विभाग द्वारा मतदाताओं की छोटे बच्चों को खेलने के लिए खिलौने की व्यवस्था की गई था, साथ ही ग्राम पंचायत द्वारा ठंडे पानी की व्यवस्था की गई थी। आयुष व स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्राथमिक उपचार संबंधी व्यवस्था की गई है। हाई स्कूल द्वारा कूलर की व्यवस्था की गई थी। बीएलओ द्वारा मतदाता सुविधा काउंटर भी बनाया गया था।

मतदान को लेकर उत्साह, सुबह सवेरे ही पहुंचे लोग

श्योपुर, श्योपुर जिले में मतदान को लेकर उत्साह का वातावरण दिखाई दिया, पोलिंग स्टेशनो पर मतदान प्रक्रिया के शुरू होते ही सुबह सवेरे वोट डालने के लिए लोग पहुंचने लगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी लोकेश कुमार जांगिड के निर्देशानुसार मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं के लिए छाया, पानी आदि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थी। आदर्श एवं महिला प्रबंधित बूथो को विशेष साज-सज्जाकर सजाया गया। पिछले दो महीने से जारी स्वीप गतिविधियों एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के चलते लोगों में अपार उत्साह दिखाई दिया। शहर में फॉरेस्ट कार्यालय भवन, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, राजीव गांधी सभागार, प्राथमिक कन्या विद्यालय किला रोड, गुर्जर गौड धर्मशाला, महाराष्ट्र समाज धर्मशाला तथा किले के नीचे स्थित मतदान केन्द्रों पर सुबह से ही बडी संख्या में लोग मतदान के लिए पहुंचने लगे। वोट डालने के लिए बूथ की कतार में लगे मतदाताओं ने उत्साह के साथ वोटिंग करने के लिए अपने ईपिक कार्ड भी दिखाएं।

संभाग कमिश्नर, आईजी ने किया विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण

सागर। संभाग कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत एवं पुलिस महानिरीक्षक प्रमोद वर्मा ने खुरई विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम रविश श्रीवास्तव और अन्य अधिकारी मौजूद थे। संभाग कमिश्नर डॉ. वीरेंद्र सिंह रावत खुरई विधानसभा क्षेत्र के ग्रामो सहित अन्य मतदान केंद्रों पर पहुंचे, जहां उन्होंने मतदान कर्मियों, मतदाताओं, सुरक्षा कर्मियों से चर्चा की एवं व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने समस्त मतदाताओं से अपील भी कि आप सभी मतदान केंद्र पर आकर मतदान करें।

संभाग कमिश्नर डॉ वीरेंद्र सिंह रावत, पुलिस महानिरीक्षक श्री प्रमोद वर्मा ने कलेक्टर दीपक आर्य, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक तिवारी के साथ स्मार्ट सिटी के आई ट्रिपल सी पहुंचकर जिले की पांच विधानसभा क्षेत्र में हो रही निर्वाचन की वेबकास्टिंग के माध्यम से मॉनिटरिंग की। उन्होंने मौके पर भी मतदान केंद्रों के पीठासीन अधिकारियों से चर्चा की।

जिले में 55.34 प्रतिशत हुआ मतदान, कोई भी बड़ी घटना घटित नहीं हुई

✦6 विधानसभाओं में 8 लाख 25 हजार 908 वोटर्स ने किया मताधिकार का प्रयोग, ✦पुरुषों की तुलना में पोलिंग पर कम संख्या में पहुंचीं महिला वोटर्स

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन-2024 के तहत मुरैना-श्योपुर संसदीय सीट के लिए मतदान प्रक्रिया मंगलवार 7 मई को संपन्न हुई। छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मुरैना जिले में मतदान शांतिपूर्ण तरीके से हुआ। मुरैना जिले में बनाए गए 1706 मतदान केन्द्रों पर मॉकपोल के बाद सुबह 7 बजे वोटिंग शुरू हो गई थी। जो शाम 6 बजे तक चली। मतदान शुरू होने के बाद पहले दो घंटे यानि सुबह 9 बजे तक मतदान की रफ्तार धीमी रही, महज 13.95 फीसदी वोटर्स ही पोलिंग पर वोट डालने पहुंचें। 9 बजे के बाद दोपहर 1 बजे तक बड़ी संख्या में मतदाता वोट डालने के लिए मतदान केन्द्र पहुंचें। मतदान शुरू होने से मतदान समाप्ति तक मुरैना जिले की सभी 6 विधानसभाओं में कुल 55.34 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कुल 14 लाख 92 हजार 496 मतदाताओं में से 8 लाख 25 हजार 908 मतदाताओं ने वोट डाले। जिनमें महिला वोटर्स का प्रतिशत 51.78 एवं पुरुषों का मतदान प्रतिशत 58.39 रहा है।

सुमावली के गढ़ीखेरा में ग्रामीणों ने किया बहिष्कार

सुमावली विधानसभा क्षेत्र के ग्राम गढ़ीखेरा गांव की पोलिंग-51 एवं 52 पर सुबह 7 बजे वोटिंग शुरू हुई। लेकिन गढ़ीखेरा गांव के लोगों ने वोट डालने से इंकार करते हुए मतदान का बहिष्कार कर दिया। ग्रामीण दूसरे गांव में पोलिंग बनाए जाने और गांव की पांच हजार से अधिक आबादी होने के बाद भी स्कूल न होने से नाराज थे। बहिष्कार की खबर मिलने के बाद प्रशासनिक अधिकारी गढ़ीखेरा पहुंचें, उन्होंने नाराज ग्रामीणों को समझा-बुझाकर मतदान के लिए राजी किया। तब कहीं जाकर करीब चार घंटे बाद गढ़ीखेरा में वोटिंग शुरू हुई।

सबलगढ़ के निवाड़ी गांव में 9 बजे तक ग्रामीणों ने नहीं डाले वोट

विधानसभा क्षेत्र सबलगढ़ की ग्राम पंचायत बरोठा के ग्राम निवाड़ी के ग्रामीणों ने मतदान शुरू होने के साथ ही मतदान का बहिष्कार कर दिया। जिसके चलते सुबह 9 बजे तक पोलिंग पर महज 4 वोटरों ने ही मतदान किया। बहिष्कार कर रहे ग्रामीण सरपंच की करतूतों से नाराज थे, उनका कहना था कि सरपंच ने सीसी खरंजा नहीं बनवाया है, जिसके कारण उन्हें कीचड़ भरे रास्तों से गुजरना पड़ रहा है। बहिष्कार की सूचना पाकर एसडीएम सबलगढ़ वीरेन्द्र कटारे वहां पहुंचें। उन्होंने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर मतदान शुरू कराया।

मुड़ियाखेड़ा में 10 बजे के बाद शुरू हो सका मतदान

दिमनी क्षेत्र के मुड़ियाखेड़ा गांव के पोलिंग क्रं. 84 पर सुबह 7 बजे वोटिंग शुरू होने के कुछ देर बाद ही ईव्हीएम मशीन में खराबी आ गई। पोलिंग टीम ने खराबी को दूर करने का प्रयास भी किया, लेकिन नाकाम रहे। अंततः ईव्हीएम बदलने के बाद सुबह करीब 10 बजे मतदान शुरू हुआ।

पारा 40 पार पहुंचनें से दोपहर में सूने दिखे मतदान केन्द्र

मंगलवार को अंचल में पारे के 40 डिग्री से पार पहुंचनें से गर्मी उफान पर थी। सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक मतदान करने के लिए बड़ी संख्या में वोटर मतदान केन्द्रों पर पहुंचें। जिसके बाद गर्मी के चलते मतदान केन्द्रों पर वोटर्स का पहुंचना कम हो गया। हालात यह थे कि अपरान्ह 3 बजे मतदान केन्द्र सूने दिखाई दे रहे थे।

पुलिस ने भाजपा-कांग्रेस, बसपा प्रत्याशी किए नजरबंद

मतदान शुरू होने के बाद सुबह करीब आठ बजे एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार नीटू, भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर और बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग को बुलाकर पुलिस लाईन में नजरबंद कर लिया। यहां से दोपहर करीब दो बजे तीनों प्रत्याशियों को छोड़ा गया।

कृषि मंत्री ऐदल सिंह ने नायकपुरा में किया मतदान

मप्र के कृषि मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना ने सुमावली विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अपने पैतृक गांव हुसैनपुर (नायकपुरा) में मतदान किया। उन्होंने ग्रामीण मतदाताओं से अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की।

भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल ने बड़ागांव में किया मतदान

भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर ने अपने गृहगांव बड़ागांव नावली स्थित मतदान केन्द्र पर मतदान किया। मतदान करने के बाद उन्होंने ग्रामीण मतदाताओं से अनिवार्य रूप से मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत बनाने की अपील की।

कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह ने तिलावली में डाला वोट

कांग्रेस प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार नीटू ने अपने पुश्तैनी गांव तिलावली के शासकीय माध्यमिक विद्यालय मतदान केन्द्र में मतदान किया। उन्होंने वोटरों से लोकतंत्र के महापर्व में आहूति देकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का आव्हान भी किया।

बसपा प्रत्याशी ने जिला पंचायत भवन में किया मतदान

बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग मतदान करने के लिए शाम करीब साढ़े चार बजे मुरैना शहर की शिक्षा नगर रोड स्थित जिला पंचायत के पुराने भवन में बनाए गए मतदान केन्द्र पर पहुंचें और वोट डाला।

जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना ने किया मतदान

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना ने लोकसभा निर्वाचन 2024 में गणेशपुरा पानी की टंकी के पास मिडिल स्कूल में बनाए गए मतदान केन्द्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का उपयोग किया।

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने मतदान केन्द्र पर की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली।उन्होंने मतदाताओं से अपने मताधिकार के उपयोग की अपील भी की।

सीईओ जिला पंचायत ने सपत्नीक किया मतदान

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिये मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले ने शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 03 मुरैना पर पहुंचकर सपत्नीक मतदान किया। मतदान के दौरान उनकी पत्नी डॉ. अंशुल ने भी मतदान किया।

नज़रबंदी के मामले को लेकर मैं सुप्रीम कोर्ट जाऊंगा: रमेश गर्ग

बसपा कार्यकर्ताओं ने घेरी पुलिस लाइन तब पुलिस ने छोड़ा

मुरैना। मतदान शुरू होने के बाद सुबह 8 बजे से पुलिस लाईन में नजरबंद किए गए बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी रमेश गर्ग को निगरानी मुक्त कराने के लिए दोपहर करीब दो बजे उनके समर्थकों सहित बसपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस लाईन का घेराव किया। तब कहीं जाकर पुलिस ने उन्हें निगरानी मुक्त किया। पुलिस की निगरानी से मुक्त होने के बाद बसपा प्रत्याशी रमेश गर्ग ने मीडिया कर्मियों से चर्चा करते हुए कहा कि यह उनके जीवन का पहला चुनाव है। चुनाव प्रचार से वे सोमवार की शाम को फ्री हुए थे, शाम को एसपी शैलेन्द्र सिंह चौहान ने उन्हें फोन कर सुबह 7 बजे पुलिस लाईन पहुंचनें को कहा था। मंगलवार की सुबह 8 बजे जब वे पुलिस लाईन पहुंचें तो उन्हें नजरबंद कर लिया गया। श्री गर्ग ने कहा कि

हम व्यापारी लोग है, झगड़ालू प्रवृत्ति के नहीं है, फिर हमें नजरबंद क्यों किया गया, यह समझ से परे है। उन्होंने कहा कि उनके नजरबंद किए जाने से उनकी पूरी टीम बिखर गई। कार्यकर्ता उन्हें फोन पर फर्जी मतदान संबंधी सूचनाएं दे रहे थे, लेकिन वे अपनी टीम से संपर्क नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि बसपा प्रत्याशी की जीत को भांपकर पुलिस, प्रशासन ने नजरबंद किए जाने का यह ड्रामा किया है। नजरबंद किए जाने के कारण वे दोपहर बाद तक अपने मताधिकार का प्रयोग भी नहीं कर सके। श्री गर्ग ने कहा कि उनके छोटे दामाद सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस कर रहे हैं, वे उनके चुनावी कैंपने में लीगल सेल संभाल रहे थे, नजरबंद किए जाने के मामले को वे सुप्रीम कोर्ट तक ले जाएगें।

रजौधा के रायचंद्र पुरा में कांग्रेस समर्थकों पर हमला, 3 घायल

मतदान खत्म होने से आधा घंटे पहले हुई घटना

मुरैना/अम्बाह। अम्बाह विधानसभा क्षेत्र की रजौधा पंचायत के अंतर्गत पोलिंग क्रमांक-214 रायचंद्र का पुरा पर मतदान खत्म होने से पहले भाजपा उम्मीदवार के समर्थकों ने कांग्रेस प्रत्याशी के समर्थकों पर हमला बोल दिया। हमले में 3 कांग्रेस समर्थक गंभीर रूप से घायल हुए है।

जानकारी के अनुसार रायचंद्र का पुरा की पोलिंग क्रमांक-214 पर शाम करीब साढ़े पांच बजे मतदान चल रहा था। इसी दौरान भाजपा और कांग्रेस समर्थकों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर भाजपा समर्थक सोमेश सिंह पुत्र जंडेल सिंह तोमर, जंडेल सिंह पुत्र बाबू सिंह तोमर, ज्वाला सिंह पुत्र वीरेन्द्र सिंह तोमर, हरीओम तोमर पुत्र वीरेन्द्र सिंह तोमर ने कांग्रेस समर्थक सुभाषचंद्र कुशवाह, सुरेन्द्र कुशवाह और सुनील कुशवाह पर हमला बोल दिया। अप्रत्याशित हमले में कांग्रेस समर्थक सुभाष, सुरेन्द्र और सुनील गंभीर रूप से घायल हुए है। समाचार लिखे जाने तक नगरा पुलिस द्वारा एफआईआर लिखे जाने की कार्यवाही की जा रही थी।

ई-रिक्शा यूनियन की पहल

दिव्यांग, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं के लिये कारगर बनी सेवा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 में 07 मई को मुरैना का तापमान लगभग

40 से 42 टेम्प्रेचर रहा। इस दौरान ई-रिक्शा यूनियन द्वारा मुरैना शहर के लगभग 1200 ई-रिक्शा द्वारा मतदान कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ई-रिक्शा संचालकों द्वारा विशेषकर दोपहर के समय दिव्यांग, बुजुर्ग और गर्भवती महिलाओं को ले जाकर मतदान कराने की अनूठी मिसाल मुरैना जिले में कायम की है।

यह प्रयास कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती अर्चना परिहार द्वारा किया गया है। श्रीमती परिहार बताती है कि निर्वाचन कार्य में ई-रिक्शा संचालकों ने जो सहयोग प्रदान किया है, वह सराहनीय योग्य है। जिला प्रशासन उनको धन्यवाद देता है। आने वाले समय में उन्हें प्रशंसा पत्र देकर पुरस्कृत भी किया जायेगा।

प्रथम बार मताधिकार प्रयोग करने पर युवा मतदाता शिवानी राठौर ने व्यक्त की प्रसन्नता

मुरैना। जिले की युवा मतदाता शिवानी राठौर ने लोकसभा निर्वाचन 2024 में प्रथम बार मताधिकार का प्रयोग उत्साह एवं उमंग के साथ प्रसन्नता व्यक्त करते हुए

किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि मैं प्रथम बार अपनी मताधिकार का प्रयोग किया है, मुझे बहुत ही प्रसन्नता महसूस हो रही है। मैं बड़ोखर की रहने वाली हूं, मैंने अपने माता-पिता के साथ पहली बार मतदान केन्द्र क्रमांक 89 पर वोट किया है। मैं आगे भी लोकतंत्र के इस महापर्व में ऐसे ही उमंग के साथ मतदान करना चाहती हूं। सभी युवा वोटर मतदान अवश्य करें।

मुरैना। बोट का जुनून तबीयत खराब होने के बावजूद 90 वर्षीय रामजीलाल पाराशर ने अग्रवाल धर्मशाला पहुंचकर डाला पहला वोट

जनपद पंचायत अम्बाह के थीम आधारित 08 मतदान केंद्र बने आदर्श, मतदाताओं के लिए बेहतर सुविधाएं

मुरैना। जिला प्रशासन मुरैना की पहल पर जनपद पंचायत अंबाह के 08 मतदान केंद्रों को थीम आधारित आदर्श बनाया गया था। थीम आधारित मतदान केंद्र से आशय है कि किसी विशेष विषय, सांस्कृतिक तत्व या संदेश के आधार पर सजाया और व्यवस्थित किया गया हो। इसका मुख्य उद्देश्य मतदान के अनुभव को अधिक आकर्षक, शिक्षाप्रद, प्रेरक बनाना है। इस तरह के मतदान केंद्रों का उपयोग मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रोत्साहित करने, उनके बीच जागरूकता बढ़ाने, और चुनाव प्रक्रिया को और अधिक समावेशी व आनंददायक बनाने के लिए किया जाता है। ग्राम पंचायत भवन थरा पर स्थित आदर्श मतदान केंद्र

में ककनमठ, चंबल सेंचुरी, संरक्षित जीवों की झांकी, हरित वन, विभिन्न वन्य जीव जंतु आदि के प्रदर्शन, मतदाता जागरुकता के लिए भी वॉल पेटिंग, पोस्टर, बैनर आदि के माध्यम से सुसज्जित किया गया था।

जनपद पंचायत अंबाह के जिन 08 मतदान केंद्रों को थीम आधारित आदर्श घोषित किया गया है, उनमें मतदान केन्द्र क्रमांक 186 थरा पर चम्बल सेंचुरी, ईको फ्रेंडली, मतदान केन्द्र क्रमांक 39 गोठ पर अंतरिक्ष आधारित थीम, मतदान केन्द्र क्रमांक 44 रानपुर पर निर्वाचन की महत्ता, वोटर सेल्फी पॉइंट, मतदान केन्द्र क्रमांक 49 दिमनी पर भारत की सैन्य क्षमताओं (थल, नौ सेना, वायु सेना का प्रदर्शन), मतदान केन्द्र क्रमांक 162 खड़ियाहार पर ककनमठ, चम्बल, सिंध नदियां, मतदान केन्द्र क्रमांक 171 लल्लू बसई पर स्वतंत्रता से संबंधित आंदोलन, मतदान केन्द्र क्रमांक 203 तुतवास पर क्षेत्रीय फसलें सरसों, गेहूं और मतदान केन्द्र क्रमांक 259 कोलुआ पर साज-सज्जा, सफाई से युक्त ग्रीनरी इन मतदान केंद्रों में नवीनतम तकनीक, सुरक्षा, और विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थी।

अम्बाह में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ। इस दौरान अनेक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। कुछ मतदाता मतदान करने के बाद अंगुली पर लगे स्याही के निशान को

ग्वालियरः तेज गर्मी के बीच हुआ 60.97 प्रतिशत से अधिक मतदान

ग्वालियर। छुटपुट घटनाओं और तेज गर्मी के बीच मंगलवार को शांतिपूर्वक मतदान हुआ। लोकसभा चुनाव के तीसरे फेज में ग्वालियर लोकसभा में भी वोट डाले गये। ग्वालियर में हल्की फुल्कीघटनाओं के बीच शांतिपूर्ण मतदान संपन्न हुआ। सायं 6 बजे तक ग्वालियर में 60 फीसदी से ज्यादा मतदान हुआ। ग्वालियर में कांग्रेस और भाजपा में कांटे की टक्कर थी।

ग्वालियर अंचल में लोकसभा सीटों के लिए सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ था। मतदान शाम 6 बजे तक चला। ग्वालियर में 18 प्रत्याशी मैदान में हैं। लेकिन मुख्य मुकाबला कांग्रेस के प्रवीण पाठक और भाजपा के भारत सिंह कुशवाहा के बीच है। ग्वालियर लोकसभा की 8 विधानसभा में 21 लाख 54 हजार 290 मतदाता थे। जिनके लिये 1680 पोलिंग बूथ बनाये गये थे। इनमें 499 बूथ को अतिसंवेदनशील माना गया था। मतदान के दौरान पैरा मिलिस्ट्री फोर्स की 8 कंपनियों के अलावा मध्यप्रदेश पुलिस के 7 हजार जवान तैनात रहे। मतदान के दौरान विनय नगर लिटिल फ्लावर स्कूल में बने मतदान केंद्र में एक लड़की रितिका कुशवाह जब वोट डालने पहुंची तो पता लगा कि उनका वोट डल चुका है। युवती ने काफी देर तक बहस की, लेकिन पीठासीन अधिकारी ने

उसकी एक नहीं सुनी। जब यह बात कलेक्टर रुचिका चौहान को पता लगी तो उनके हस्तक्षेप के बाद रितिका को वोट डालने दिया। दूसरा मामला, सिकंदर कंपू का है। यहां अजयपुर में बने मतदान केंद्र में रामवती कुशवाह का वोट कोई और डाल गया।

उधर, कम्पू स्थित आयुर्वेदिक कॉलेज के मतदान केंद्र पर कांग्रेस प्रत्याशी प्रवीण पाठक की सीआरपीएफजवानों से बहस हो गई। दरअसल, जवानों ने पोलिंग बूथ के अंदर मोबाइल लेकर जा रहे मतदाताओं को रोक दिया था। प्रत्याशी ने उनसे कहा कि आप वोटर को वापस मत लौटाइए। वोटिंग के दौरान ग्वालियर के मतदाताओं को पुरस्कार भी मिले। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी रुचिका चौहान की पहल पर जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों पर लकी ड्रॉ बॉक्स रखे गए थे। इन बॉक्स में जिन मतदाताओं ने वोट डालने के बाद अपना नाम व मोबाइल फोन नंबर लिखकर पर्चियां डालीं, उनकी पर्चियों में से दोपहर में पहला लकी ड्रा निकाला गया। लोकसभा चुनाव में किसी प्रकार की गड़बड़ी ना हो इसे रोकने के लिए मतदान केन्द्रों पर पुलिस जवान व अफसर तैनात थे। इसके साथ ही पुलिस और प्रशासन के अफसर भी मतदान केन्द्रों पर आमद देते रहे, जिससे कहीं पर भी गड़बड़ी ना हो। जो मोबाइल पार्टी बनाई गई थी वे बिना रूके लगातार भ्रमण कर पुलिस की मौजूदगी का अहसास कराती नजर आई।

दिग्गजों ने डाला वोट

ग्वालियर में लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा और कांग्रेस के दिग्गजों ने भी वोट डाल शत प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया हालांकि खुद गुना शिवपुरी से मैदान में है उन्होंने अपना वोट सायं को एएमआई शिशु मंदिर फूलबाग में डाला। इसी प्रकार विधानसभा स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश के केबिनेट मंत्री प्रघुम्न सिंह तोमर, नारायण सिंह कुशवाह, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा, पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया, पूर्व मंत्री माया सिंह, भाजपा प्रत्याशी भारत सिंह कुशवाह, स्थानीय सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने भी अपने-अपने मतदान केन्द्रों पर वोट डाले। इसी प्रकार कांग्रेस के राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, कांग्रेस प्रत्याशी प्रवीण पाठक, महापौर शोभा सिकरवार और उनके विधायक पति डा. सतीश सिकरवार, डबरा विधायक सुरेश राजे ने भी वोट डालकर मतदान का संदेश दिया।

उधारी के रुपए लौटाने का झांसा देकर महिला से किया दुष्कर्म

ग्वालियर। उधारी के रुपए लौटाने का झांसा देकर महिला को बुलाकर एक बदमाश ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। घटना साहू धर्मशाला की है। वारदात के बाद आरोपी ने धमकी दी कि अगर मुंह खोला तो बदनाम करने के साथ ही वह उसकी जान ले लेगा। धमकी व वारदात का शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने पीडिता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

सिमरिया निवासी 30 वर्षीय महिला ने शिकायत की है कि एक माह पूर्व उसके परिचित सत्येन्द्र चौहान पुत्र नाथूराम चौहान ने उससे साठ हजार रुपए उधार लिए थे और जल्द ही लौटाने को बोला था। पूर्व परिचित होने के कारण उसने सत्येन्द्र को साठ हजार रुपए उधार दिए थे और अब जब उसने रुपए वापस मांगे तो आरोपी ने उसे साहू धर्मशाला बुलाया कि पास ही बैंक है और जब वह धर्मशाला पहुंची तो आरोपी उसे एक कमरे में ले गया और अंदर पहुंचते ही उसे जान से मारने की धमकी देकर उसके साथ गलत काम किया। वारदात की शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

डॉक्टर की कार का कांच तोड़कर लैपटाप ले गये चोर

ग्वालियर। लंबे समय बाद शहर में कार का कांच तोड़कर वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह ने आमद दी है और एक डॉक्टर की कार का कांच तोड़कर उसमें रखा लैपटॉप व अन्य दस्तावेज पार कर ले गए है। घटना कंपू थाना क्षेत्र के एमके प्लाजा की है। घटना का पता चलते ही पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया है

नई सड़क स्थित न्यू शांति नगर निवासी निखिल चौपड़ा पुत्र अशोक चौपड़ा डॉक्टर है और कंपू स्थित एमके प्लाजा पर उनका क्लीनिक है। बीते रोज वह अपनी आईटेन कार क्रमांक एमपी07जेडएम 7632 से क्लीनिक पहुंचे और एमके प्लाजा के बाहर कार पार्क करने के बाद क्लीनिक चले गए। कुछ देर बाद उन्हें याद आई कि उनका लैपटाप कार में रह गया है, तो ड्राइवर को कार से लैपटाप निकालने के लिए पहुंचाया। जब ड्राइवर कार के पास आया तो पता चला कि कार का राइट साइट का कांच टूटा पड़ा है और कार से लैपटॉप गायब है। इसका पता चलते ही उसने डॉक्टर को सूचना दी। सूचना मिलते ही डॉक्टर वहां पर पहुंचे और पुलिस से शिकायत की। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

श्रीलंका और फिलीपींस के डेलीगेशन ने देखी मतदान की प्रक्रिया

भोपाल। लोकसभा नि र्वाचन-2024 की प्रक्रिया को देखने एवं उससे जुड़े विभिन्न चरणों की प्रक्रियाओं को समझने के लिए श्रीलंका और फिलीपीन्स के 11 सदस्यीय डेलीगेशन ने मंगलवार को भोपाल और विदिशा संसदीय क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर पहुँचकर मतदान प्रक्रिया देखी। उन्होंने राज्य स्तरीय पशु चिकित्सा केन्द्र, मॉडल स्कूल टी.टी. नगर, आनंद विहार स्कूल, मॉडल आईटीआई गोविंदपुरा, रफीकगंज, धबोटी, जहांगीरपुरा, कांकरखेड़ा, भाउखेड़ी सहित अनेक मतदान केन्द्रों में पहुँचकर मतदान की कार्यवाही को देखा और उसकी सिलसिलेवार जानकारी ली।

संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री मनोज खत्री एवं अन्य अधिकारियों ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि दल को मतदान केन्द्रों के भ्रमण के दौरान संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया की चरणवार विस्तृत जानकारी दी। इवीएम, वीवीपैट, मतदान दल गठन, इलेक्शन मॉनिटरिंग, मतदान केन्द्रों की सुरक्षा संबंधी व्यवस्था सहित निर्वाचन संबंधी अन्य प्रक्रियाओं से अवगत कराया। इस दौरान संबंधित जिलों के निर्वाचन अधिकारी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि मंडल के सदस्य

इन्टरनेशनल डेलीगेशन में फिलीपीन्स के 'कमीशन ऑन इलेक्शन्स' की एसोसिएट कमिश्नर सुश्री सोकोर्रो बी. इंटिंग, डायरेक्टर सुश्री सेलिया बी. रोमेरो एवं एग्जीक्युटिव असिस्टेंट सुश्री लेसली एन.सी. कॉनक्रिला तथा श्रीलंका के 'प्रेसीडेंशियल कमीशन ऑफ इन्क्वायरी टू मेक रिकमंडेशन्स फॉर इलेक्शन लॉ रिफार्म्स' के चेयरमैन जस्टिस वीवेज प्रियसथ गेरार्ड डेप, कमीशन मेम्बर श्री सुंथारम अरूमैनायाहम, कमीशन मेम्बर श्री अलीसंदारालेज सेनानायके, कमीशन मेंबर श्री अहमद लेब्बे मोहम्मद सलीम, कमीशन मेंबर सुश्री निमालका फर्नान्डो, कमीशन मेंबर श्री विथारानागे दीपानी सामंथा रॉडरिगो, कमीशन मेंबर श्री एलन करमाइकल वेरे तंबिनायागम डेविड सहित कमीशन सेकेट्री श्री माधवा देवा सुरेन्द्र शामिल हैं।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने निरन्तर भ्रमण कर मतदान प्रक्रिया पर रखी नज़र

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मुरैना जिले की 06 विधानसभा क्षेत्रों में छुट-पुट घटनाओं को छोड़कर शान्तिपूर्ण मतदान सम्पन्न हुआ। मतदान के समय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना एवं पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान मतदान के समय निरन्तर विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण करते रहे। इनके अलावा सेक्टर ऑफीसर, पुलिस मोबाइल वेन, सहायक रिटर्निंग ऑफीसर निरंतर भ्रमण पर रहे।

लोकसभा निर्वाचन 2024 को सम्पन्न कराने के लिये जिले की 06 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 1706 मतदान केन्द्रों पर 7 हजार 568 कर्मचारी लगाये गये थे। इसके साथ ही 6 विधानसभा क्षेत्रों में 172 सेक्टर ऑफीसर, 669 माईक्रो ऑब्जर्वर, क्रिटिकल मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त बल तैनात किया गया था। मतदान केन्द्रों पर 2400 सीसीटीव्ही कैमरे लगाये गये। पुलिस मोबाइल ने हर 10-15 मिनट के अन्तराल में मतदान केन्द्र पर पहुंचकर स्थिति देखी। शान्तिपूर्ण ढंग से मतदान प्रक्रिया के संचालन के लिये सुरक्षा बल तैनात रहा। भ्रमण के समय सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले, अपर कलेक्टर श्री सीबी प्रसाद सहित सहायक रिटर्निंग ऑफीसर, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, एसडीओपी पुलिस, जनपद सीईओ सहित संबंधित विभागों के

कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न होने पर जताया आभार

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 में मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र के लिए शांतिपूर्वक मतदान संम्पन्न कराने पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना व पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने मतदाताओं, नागरिकों, चुनाव ड्यूटी पर तैनात कार्मिकों, सुरक्षा कर्मियों, समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकारों, राजनैतिक दलों एवं अभ्यर्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

उन्होंने सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों की कड़ी मेहनत एवं सौंपे गये उत्तर दायित्व के ठीक से निर्वहन के कारण मतदान निर्विघ्न संपन्न हुआ। किसी क्षेत्र से अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। सभी मतदान केन्द्रों में सुगमता के साथ मतदान संपन्न हुआ। उन्होंने सभी सेक्टर ऑफीसरों, पीठासीन अधिकारियों मतदान अधिकारियों तथा मतदान से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

आदर्श मतदान केंद्र सजावट को सराहा, खींची सेल्फी, बीहड़ की यादें हुईं ताजा

चम्बल बीहड़ थीम पर स्थापित किया गया था आदर्श मतदान केंद्र

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन आज सम्पन्न हुआ निर्वाचन में मुख्य आकर्षण का केंद्र नगर निगम कार्यालय में आदर्श मतदान केंद्र क्रमांक 83 रहा। यह आदर्श मतदान केंद्र चंबल बीहड़ थीम पर स्थापित किया गया था। आदर्श मतदान केंद्र की साज-सज्जा इस प्रकार से की गई थी कि जब मतदाता मतदान करने मतदान केंद्र पर आए तो उसे ऐसा अनुभव हो कि वह चंबल के बीहड़ों में आ गया है और इस आदर्श मतदान केंद्र की साथ सज्जा भी बिल्कुल चंबल की बीहड़ों जैसी की गई थी।

नगर निगम आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना द्वारा निर्देशित किया गया था कि आदर्श मतदान केंद्र को चंबल बीहड़ की थीम पर सजाया जाए, जिससे कि मतदाताओं को चंबल के बीहड़ों का अनुभव हो सके। जब आदर्श मतदान केंद्र पर अमित कुमार गुप्ता और स्वीटी गुप्ता पहुंचे तो आदर्श मतदान केंद्र की साज-सज्जा और सजावट को देखकर कहा कि आज बीहड़ों की यादें ताजा हों। मतदाताओं ने सेल्फी खींचकर सोशल मीडिया के माध्यम से अपलोड भी किया। आदर्श मतदान केंद्र के नोडल अधिकारी रहीम चौहान ने बताया कि मतदाताओं के लिए विशेष रूप से चंबल बीहड़ थीम पर आदर्श मतदान केंद्र बनाया गया था, जिसकी तारीफ मतदाताओं द्वारा कर आदर्श मतदान केंद्र की साज-सज्जा सजावट की सराहना भी की गई।

जिले में शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित ढंग से मतदान सम्पन्न

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ग्वालियर जिले में सायंकाल 6 बजे तक लगभग 60.97 प्रतिशत मतदान का अनुमान

ग्वालियर। लोकसभा आम निर्वाचन कार्यक्रम के तहत ग्वालियर जिले में मंगलवार 7 मई को शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से मतदान सम्पन्न हुआ। 03-ग्वालियर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में ग्वालियर जिले के सभी 6 विधानसभा क्षेत्र और शिवपुरी जिले के करैरा (अजा) व पोहरी विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। मतदान समाप्ति के बाद मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार ग्वालियर जिले में सायंकाल 6 बजे तक मतदान का प्रतिशत लगभग 60.97 रहा है, जबकि ग्वालियर संसदीय क्षेत्र का मतदान प्रतिशत सायंकाल 6 बजे तक लगभग 61.93 अनुमानित है। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के सभी मतदान केन्द्रों में डाले गए वोटों की वास्तविक जानकारी मतदान दलों से प्राप्त होने के बाद मतदान का सही-सही प्रतिशत सामने आयेगा। सायंकाल 6 बजे तक ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में शामिल ग्वालियर जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर ग्रामीण में 64.79 प्रतिशत मतदान होने का अनुमान है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र ग्वालियर का मतदान प्रतिशत 58.68, ग्वालियर पूर्व का मतदान प्रतिशत 55.09, ग्वालियर दक्षिण का मतदान प्रतिशत 60.64, भितरवार का मतदान प्रतिशत 62.54 एवं डबरा (अजा) में लगभग 66.46 प्रतिशत मतदान अनुमानित है। इसी प्रकार शिवपुरी जिले के करैरा विधानसभा क्षेत्र में सायंकाल 6 बजे तक 66.23 एवं पोहरी में 63.67 प्रतिशत मतदान होने का अनुमान है।

DISTRICT : GWALIOR DATE 07/05/2024

TIME: 06 PM (07-05-2024)

1	विधानसभा क्षेत्र का मतदान का प्रतिशत :	पुरूष :	महिला:	कुल:
	14 ग्वालियर ग्रामीण	67.53	61.64	64.79
	15 ग्वालियर	60.31	56.87	58.68
	16 ग्वालियर पूर्व	56.83	53.14	55.09
	17 ग्वालियर दक्षिण	63.47	57.62	60.64
	18 भितरवार	65.37	59.42	62.54
	19 डबरा (अ.जा.)	69.84	62.72	66.46
	कुल योग :-	63.43	58.24	60.97
	23 करैरा (अ.जा.)	68.97	63.12	66.23
	24 पोहरी	65.65	61.42	63.67
	03 ग्वालियर	64.38	59.20	61.93

ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में सायंकाल 6 बजे विधानसभा क्षेत्र वार मतदान का प्रतिशत

विधानसभा क्षेत्र का मतदान का प्रतिशत	पुरूष	महिला	कुल
14-ग्वालियर ग्रामीण	67.53	61.64	64.79
15-ग्वालियर	60.31	56.87	58.68
16-ग्वालियर पूर्व	56.83	53.14	55.09
17-ग्वालियर दक्षिण	63.47	57.62	60.64
18-भितरवार	65.37	59.42	62.54
19-डबरा (अजा.)	69.84	62.72	66.46
कुल योग ग्वालियर जिला	**63.43**	**58.24**	**60.97**
23-करैरा (अजा.)	68.97	63.12	66.23
24-पोहरी	65.65	61.42	63.67
कुल योग 03 ग्वालियर संसदीय क्षेत्र	**64.38**	**59.20**	**61.93**

स्वामित्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए श्रीसिद्धीविनायक प्रिन्टर्स, 26 बी, प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 एम.पी. नगर भोपाल मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं 5-अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई नं. MPHIN/2007/18768
संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे 94251-26060, संयुक्त संपादक- नीरज शिवहरे 9827359400, सहायक संपादक- संजय माकवे 9425375149, भोपाल कार्यालय- 5 अपूर्वा एन्क्लेव, अयोध्या बाईपास, भोपाल सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय होगा।